दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

`कपड़े हो गए छोटे, तो शर्म कहां से ...8
सिद्धार्थनगर
शुक्रवार , 05 जून 2026
वर्षः 13 अंक : 167 पृष्ठः 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित ।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

दिल्ली अग्निकांड के बाद सीएम योगी का सख्त आदेश

यूपी के होटलों-इमारतों का होगा विशेष सुरक्षा जांच

लखनऊ। दिल्ली के मालवीय नगर स्थित रेस्तरां में लगी आग, जिसमें 21 लोगों की जान चली गई, का संज्ञान लेते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को राज्य के होटलों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की विशेष सुरक्षा जांच के आदेश दिए। मुख्यमंत्री ने सभी विकास प्राधिकरणों, पुलिस विभागों, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) और अग्निशमन विभागों के अधिकारियों के साथ–साथ कई अन्य विभागों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि सभी ऊंची इमारतों, कार्यालयों, होटलों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का गहन निरीक्षण किया जाए और वहां अग्नि सुरक्षा प्रणालियां मौजूद हों। इसके अलावा, उन्होंने निर्देश दिया कि सभी होटलों की विशेष सुरक्षा जांच की जाए और ऑडिट रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर टिप्पणी करते हुए, मुख्य अग्निशमन अधिकारी अंकुश मित्तल ने पुष्टि की कि विशेष टीमें स्थानीय होटलों का सक्रिय रूप से निरीक्षण कर रही हैं और अग्नि सुरक्षा मानदंडों का उल्लंघन करने वाले किसी भी प्रतिष्ठान के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी। मुख्य अग्निशमन अधिकारी मित्तल ने एएनआई को बताया सभी होटलों और विभिन्न स्टेशनों में अभियान चलाए जा रहे हैं। सभी स्टेशन प्रतिनिधि अपने–अपने क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले होटलों का निरीक्षण कर रहे हैं... यदि लापरवाही पाई जाती है, तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस बीच, दिल्ली त्रासदी पर दुख व्यक्त करते हुए, उत्तर प्रदेश के मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने घोषणा की कि जिला मजिस्ट्रेटों और स्थानीय अधिकारियों को सुरक्षा अनुपालन को सख्ती से लागू करने के लिए नए निर्देश जारी किए जा रहे हैं। पत्रकारों से बात करते हुए खन्ना ने कहा कि दिल्ली में हुई घटना बेहद दुखद है।

राजनाथ सिंह का गेम चेंजर फैसला, सशस्त्र बलों को मिली रक्षा खरीद की वित्तीय शक्तियां

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को रक्षा सेवाओं को वित्तीय शक्तियों का प्रत्यायोजन (डीएफपीडीएस –2026) जारी किया – इसके तहत 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक वार्षिक मूल्य की राजस्व संबंधी खरीद के लिए वित्तीय शक्तियां प्रदान की जाएंगी। एक पोस्ट में रक्षा मंत्री ने लिखा कि मैं रक्षा मंत्रालय और सशस्त्र बलों को नई वित्तीय शक्तियों के प्रत्यायोजन (डीएफपीडीएस –2026) के तहत 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक वार्षिक मूल्य की राजस्व संबंधी खरीद के लिए बढ़ी हुई वित्तीय शक्तियां प्राप्त करने पर बधाई देता हूं। सुधारों के रणनीतिक प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि नया ढांचा फील्ड कमांडरों को तेजी से निर्णय लेने, परिचालन तत्परता बढ़ाने और घरेलू अनुसंधान को बढ़ावा देकर विदेशी उपकरण निर्माताओं पर निर्भरता कम करने में सक्षम बनाएगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण पहल है जो फील्ड कमांडरों को और अधिक सशक्त बनाएगी, जिससे त्वरित निर्णय लेने में सहायता मिलेगी और अंततः परिचालन तत्परता में वृद्धि होगी। नए दस्तावेज का उद्देश्य रक्षा क्षेत्र में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देना है और विदेशी उत्पाद निर्माताओं पर निर्भरता को कम करना है। नीति के आर्थिक लाभों पर जोर देते हुए, रक्षा मंत्री ने कहा कि यह ढांचा निजी स्टार्टअप और लघु एवं मध्यम उद्यमों को शामिल करके घरेलू आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देगा, जबकि निर्माण परियोजनाओं के लिए वित्तीय शक्तियों को दोगुना करने से बुनियादी ढांचे का विकास बहुत तेजी से होगा।

तेल का बड़ा आपूर्तिकर्ता बना रह सकता है वेनेजुएला

लॉन्ग–टर्म क्रूड डील पर पीएम मोदी ने की वहां के राष्ट्रपति से बात

नई दिल्ली । पश्चिम एशिया विवाद और रूस से खरीद को लेकर अमेरिका की अस्थिर नीतियों की वजह से भारत कच्चे तेल के एक बड़े आपूर्तिकर्ता की तलाश में है। यह तलाश दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला पर फिलहाल खत्म होती दिख रही है।

गुरुवार को पीएम नरेंद्र मोदी और वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगुएज के बीच हुई बैठक में द्विपक्षीय सहयोग से जुड़े कई मुद्दों पर बात हुई है लेकिन इसमें ऊर्जा सहयोग व खास तौर पर कच्चे तेल की खरीद व आपूर्ति का मुद्दा सबसे अहम रहा है।

जनवरी, 2026 में अमेरिकी सरकार ने हस्तक्षेप करके वेनेजुएला में सत्ता परिवर्तन कर रोड्रिगुएज को कार्यवाहक राष्ट्रपति बनाया और उसके बाद से भारत ने बड़े पैमाने पर उससे तेल की खरीद शुरू कर दी है। सिर्फ चार महीने पहले भारत वेनेजुएला से एक लीटर भी तेल नहीं खरीदता था और आज यह तीसरा सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बन गया है। गुरुवार की बैठक में किस तरह से क्रूड खरीद के लिए दीर्घकालिक समझौता किया जाए, इस पर बात हुई है। पश्चिम एशिया संघर्ष (28 फरवरी) के बाद से वैश्विक बाजार में ना सिर्फ तेल की कीमतें बढ़ी हैं बल्कि इनकी आपूर्ति भी प्रभावित हुई है। अपनी जरूरत का 87 फीसद तक तेल आयात करने वाले देश भारत के लिए समस्या ज्यादा बड़ी है। भारत 60 फीसद अपना तेल पश्चिम एशियाई देशों से लेता रहा है लेकिन वहां से आपूर्ति बाधित हो रही है। रूस से भारत बड़ी मात्रा में तेल खरीद रहा है लेकिन अमेरिकी प्रतिबंध फिर से लागू होने पर यह मुश्किल हो जाएगा। अभी अमेरिका ने रूस से तेल खरीद को लेकर भारत को छूट दी है जो 17 जून, 2026 को समाप्त हो रहा है।

अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने अपने देश के संसद में बयान दिया है कि जल्द ही भारत को मिली छूट समाप्त की जाएगी। लिहाजा भारत जल्द से जल्द रूस के एक वैकल्पिक बाजार की तलाश में है। विदेश मंत्रालय का यह कहना है कि भारत को अपनी जनता व इकोनमी को देखते हुए जहां से जरूरत होगी तेल खरीद करेगा लेकिन इससे इन्कार करना मुश्किल है कि स्थिति बदलने पर रूस से तेल खरीद में कुछ कमी हो।

जयराम रमेश का मोदी सरकार पर हमलाः आर्थिक स्थिति पर सरकार घबराहट में, अध्यादेश सिर्फ दिखावा

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने 4 जून को केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए मोदी सरकार पर मौजूदा आर्थिक स्थिति के कारण घबराहट की स्थिति में होने का आरोप लगाया। ग पर एक पोस्ट में रमेश ने कहा कि मोदी सरकार स्पष्ट रूप से घबराहट की स्थिति में है और मौजूदा आर्थिक स्थिति को लेकर अपने ही तंत्र के भीतर से ही घिरी हुई है। उन्होंने टेलीविजन पर प्रसारित एक समाचार का हवाला दिया जिसमें बताया गया था कि सरकार आयकर अधिनियम में संशोधन करने के लिए एक अध्यादेश लाने पर विचार कर रही है, जिसके तहत विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) द्वारा भारतीय सरकारी प्रतिभूतियों में किए गए निवेश पर लगने वाले 12.5: ध्दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर को पूरी तरह से समाप्त कर दिया जाएगा। जयराम रमेश ने कहा कि सत्ताधारी दल से जुड़े एक टीवी चौनल के समाचार के अनुसार, मोदी सरकार आयकर अधिनियम में संशोधन करने के लिए एक अध यादेश जारी करने की योजना बना रही है, जिसके तहत विदेशी पो र्टफो लियो निवे शकों (एफपीआई) द्वारा भारतीय सरकारी प्रतिभूतियों में किए गए निवेश पर लगने वाले 12.5: ध्दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर को पूरी तरह से समाप्त कर दिया जाएगा। यह दर जुलाई 2024 के केंद्रीय बजट में निध ारित की गई थी। उन्होंने प्रस्तावित उपाय को एक अस्थायी समाधान बताया जो अर्थव्यवस्था की अंतर्निहित संरचनात्मक समस्याओं का समाधान करने में विफल है। रमेश ने इस बात पर जोर दिया कि रिकॉर्ड तोड़ कॉर्पोरेट आय के बावजूद भारत में निजी कॉर्पोरेट निवेश कमजोर बना हुआ है, और बताया कि जीडीपी के अनुपात में निवेश में गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि असली समस्या यह है कि भारत में निजी कॉर्पोरेट निवेश बहुत सुस्त है। जो लोग भारत में निवेश कर सकते हैं और जिन्हें करना ही चाहिए, वे या तो विदेशों में निवेश कर रहे हैं या घरेलू निवेश को टाल रहे हैं। कॉर्पोरेट आय रिकॉर्ड ऊंचाई पर है, लेकिन जीडीपी के प्रतिशत के रूप में निजी कॉर्पोरेट निवेश की दर में उल्लेखनीय गिरावट आई है। अस्थायी अध्यादेश सुर्खियां बटोर सकते हैं, लेकिन निजी कॉर्पोरेट निवेश की कम दरों के संरचनात्मक कारणों को दूर करने का विकल्प नहीं हैं।

डर का माहौल बना रहे राहुल गांधी?

आर्थिक सुनामी के दावे पर बीजेपी ने खोला सियासी मोर्चा

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा भारत के आर्थिक सुनामी की ओर बढ़ने की चेतावनी देने के बाद भाजपा और कांग्रेस के बीच जुबानी जंग छिड़ गई, जिसके बाद भाजपा नेता अमित मालवीय ने उन पर भय फैलाने का आरोप लगाया। नरेंद्र मोदी सरकार की गांधीजी की आलोचना का जवाब देते हुए मालवीय ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा देश के आर्थिक सुरक्षा उपायों को खत्म करने का दावा करके कांग्रेस नेता भय फैला रहे हैं। एक्स पर एक पोस्ट में मालवीय ने कई आर्थिक संकेतकों का हवाला देते हुए तर्क दिया कि भारत वैश्विक अनिश्चितताओं का सामना करने के लिए अच्छी स्थिति में है। उन्होंने कहा कि मई 2026 में ई–वे बिल जनरेशन में 12.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि विनिर्माण और सेवा क्षेत्र की गतिविधियां मजबूत बनी रहीं, जिनका पीएमआई क्रमशः 56.6 और 58.9 रहा।

भाजपा ने उपायों की सूची जारी की

भाजपा के आईटी सेल प्रमुख ने उन उपायों का भी उल्लेख किया जिन्हें उन्होंने बाहरी आर्थिक दबावों से उपभोक्ताओं और व्यवसायों को बचाने के लिए केंद्र सरकार के प्रयास बताया। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के दौर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहाकि जब वैश्विक कच्चे तेल की कीमतें बढ़ीं, तो पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती ने उपभोक्ताओं को राहत दी।

नो–फ्लाई जोन बनी अमरनाथ यात्रा

सुरक्षा कारणों से हेलीकॉप्टर सेवा भी रद्द

श्रीनगर। पहलगाम आतंकी हमले के बाद लगातार दूसरे वर्ष, अधिकारियों ने दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर तक जाने वाले सभी मार्गों को नो–फ्लाई जोन घोषित कर दिया है और 3 जुलाई से शुरू होने वाली 57 दिवसीय वार्षिक यात्रा के दौरान तीर्थयात्रियों के लिए हेलीकॉप्टर सेवा निलंबित कर दी है। सरकार ने 1 जून, 2026 के आदेश संख्या 321–भ्ब्ड्म् के घ्ध्माध्यम से अमरनाथ यात्रा के सभी मार्गों को, जिनमें पारंपरिक पहलगाम मार्ग और सबसे छोटा बालताल मार्ग शामिल हैं, 1 जुलाई, 2026 से नो–फ्लाई जोनश् घोषित किया है। तदनुसार, इस वर्ष की यात्रा के दौरान तीर्थयात्रियों के लिए हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध नहीं होगी। अधिकारियों ने अमरनाथ यात्रा करने की योजना बना रहे तीर्थयात्रियों को यात्रा के दौरान हेलीकॉप्टर सेवा के निलंबन के बारे में सूचित किया है। अमरनाथ यात्रा के प्रबंधन का जिम्मा संभालने वाले श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) के एक अधिकारी ने बताया कि तीर्थयात्री अमरनाथ गुफा मंदिर तक पैदल चलकर या पूरी यात्रा के दौरान पालकी की सहायता से पहुंच सकते हैं। अधिकारियों के अनुसार, सुरक्षा कारणों से यात्रा के दौरान हेलीकॉप्टर सेवा निलंबित कर दी गई है। उन्होंने बताया कि यात्रा के सभी मार्गों को ष्नो फ्लाई जोनष् घोषित करके सुरक्षा एजेंसियों का उद्देश्य यात्रा के दौरान ड्रोन सहित किसी भी प्रकार की अनधिकृत उड़ान गतिविधियों को रोकना है।

मणिपुर में ड्रग रेड के दौरान पुलिस कमांडो शहीद, आरोपी ड्रग तस्कर गिरफ्तार

मणिपुर के थौबल जिले में नशीली दवाओं के खिलाफ चलाए गए अभियान के दौरान एक पुलिसकर्मी की चाकू मारकर हत्या कर दी गई, जिसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि बुधवार रात को मोइजिंग खोंगकोक में पुलिस कमांडो टीम द्वारा की गई छापेमारी के दौरान मोहम्मद नाओबी (25) और एक अन्य व्यक्ति को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने बताया, जब उनसे पूछताछ की जा रही थी, तभी आरोपी मोहम्मद नाओबी ने अचानक खोइरोम सुरेश पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। पुलिस ने आगे बताया कि दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। खोइरोम को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां रात करीब 9.15 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने बताया, गहन तलाशी अभियान के बाद मुख्य आरोपी मोहम्मद नाओबी को गुरुवार सुबह करीब 8. 45 बजे गिरफ्तार कर लिया गया। मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने पुलिसकर्मी की मृत्यु पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

नीट पेपर लीकः राहुल गांधी का आरोप, पीएम मोदी की भ्रष्ट व्यवस्था ने लूटा युवाओं का भविष्य

नीट–यूजी परीक्षा के पेपर लीक को लेकर विवाद दिन–प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। गुरुवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता ने प्रवेश परीक्षा प्रणाली में कथित अनियमितताओं से निपटने के केंद्र के रवैये की आलोचना करते हुए मेडिकल की छात्रा आकांक्षा की मृत्यु का हवाला दिया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला।

एक नीट परीक्षार्थी की मौत का मामला सामने आने के बाद उन्होंने भाजपा सरकार और प्रध ानमंत्री की जमकर आलोचना की और कहा कि प्रधानमंत्री ने पिछले 12 वर्षों में शिक्षा व्यवस्था को जिस हद तक बर्बाद किया है, उसकी कीमत युवाओं की पूरी पीढ़ी भुगत रही है। राहुल ने एक्स पर लिखा कि आकांक्षा डॉक्टर बनकर देश और समाज की सेवा करना चाहती थी। आकांक्षा के पिता किसान हैं। बेटी के डॉक्टर बनने के सपने के लिए किसान क्रेडिट कार्ड पर घ्3 लाख का कर्ज लिया। और नागपुर में खुद कुक की नौकरी कर ली, ताकि बेटी वहाँ कोचिंग कर सके।

उन्होंने आगे लिखा कि एक पिता ने जो कर सकता था, सब किया। फिर छम्म्ज पेपर लीक हुआ। परीक्षा रद्द हुई। उस अनिश्चितता में आकांक्षा हमें छोड़ कर चली गई। आकांक्षा की मौत आत्महत्या नहीं – मोदी जी की एक भ्रष्ट, टूटी हुई व्यवस्था की देन है। और धर्मेंद्र प्रधान जी? आज भी कुर्सी पर हैं। फिर वही कमेटी। वही ट्रांसफर। वही जाँच। न सुधार, न न्याय। मोदी जी, कुर्सी स्थायी नहीं होती – आती–जाती रहती है। लेकिन आपने 12 वर्षों में शिक्षा व्यवस्था को जिस हद तक बर्बाद किया है, उसकी कीमत भारत की एक पूरी युवा पीढ़ी चुका रही है।

आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने राष्ट्रीय पात्रता सह परीक्षा (नीट) और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक के मुद्दे पर केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि 'पेपर लीक के धंधे' में हजारों

टीएमसी में बड़ी बगावत, मेयर का इस्तीफा!

हाल ही में संपन्न हुए राज्य चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के हाथों करारी हार के कुछ दिनों बाद, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पश्चिम बंगाल में सत्ता खोने के बाद अपने विधायी रैंकों में विद्रोह से जूझ रही है। स्पीकर द्वारा 58 बागी टीएमसी विधायकों को प्रमुख विपक्षी दल के रूप में मान्यता देने के बाद, ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी को एक बड़ा झटका लगा है। अब पार्टी को अपने शहरी राजनीतिक ढांचे में एक नई चुनौती का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि प्रमुख महापौर पदों पर आसीन वरिष्ठ नेताओं के भविष्य को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। पीकर रथेंद्र नाथ बोस ने विधायक ऋतब्रता बनर्जी के नेतृत्व में 58 बागी टीएमसी विधायकों को प्रमुख विपक्षी दल के रूप में मान्यता दी। बागी विधायकों ने पार्टी नेतृत्व पर तानाशाही तरीके से काम करने का आरोप लगाया है और टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी की भूमिका को खुले तौर पर चुनौती दी है।

''प्लास्टिक बेबी'' को मिला नया जीवन: 10 साल की मेहनत से बहराइच के डॉक्टर ने रचा चमत्कार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जिले के वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. शिशिर अग्रवाल ने एक दुर्लभ बीमारी से जूझ रहे बच्चे को नया जीवन देकर चिकित्सा जगत में मिसाल कायम की है। जन्म के समय प्लास्टिक जैसी झिल्ली में लिपटे इस बच्चे को बचाना लगभग असंभव माना जा रहा था, लेकिन 10 वर्षों की लगातार चिकित्सा, विशेष उपचार और अथक प्रयासों ने उसे सामान्य जीवन की ओर लौटा दिया। मामला चौबेपुरवा भेला गांव का है, जहां अक्टूबर 2016 में तरन्नुम नामक महिला ने एक ऐसे बच्चे को जन्म दिया जो पूरी तरह एक पारदर्शी प्लास्टिक जैसी झिल्ली से ढका हुआ था। जन्म के बाद बच्चे की हालत बेहद गंभीर थी। वह

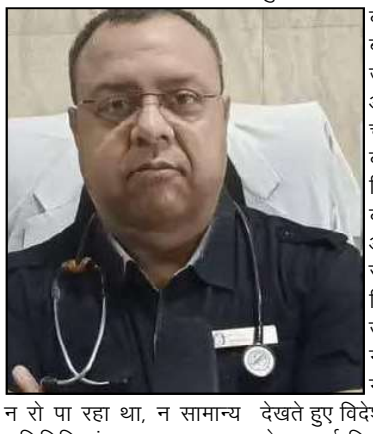

न रो पा रहा था, न सामान्य गतिविधियां कर रहा था। स्थानीय स्तर पर इलाज की संभावनाएं लगभग समाप्त हो चुकी थीं। ऐसे में परिवार बच्चे को लेकर बहराइच पहुंचे, जहां डॉ. शिशिर अग्रवाल ने इस चुनौतीपूर्ण केस को अपने हाथ में लिया। नवजात को नौ दिनों तक आईसीयू में रखकर गहन निगरानी और उपचार किया गया। बीमारी की गंभीरता को देखते हुए विदेशों तक विशेषज्ञों से परामर्श लिया गया। बताया जाता है कि इस दुर्लभ बीमारी पर अमेरिका के चिकित्सकों ने भी अध्ययन किया। इलाज के दौरान दिल्ली और मुंबई से विशेष प्रोटीन तथा एल्बुमिन इंजेक्शन मंगवाए गए। वर्षों तक नियमित दवाओं, विशेष देखभाल और फिजियोथेरेपी के माध्यम से बच्चे का उपचार जारी रखा गया। लगभग एक दशक तक चले इस संघर्ष का परिणाम यह रहा कि आज बच्चा करीब 80 प्रतिशत तक स्वस्थ हो चुका है और सामान्य बच्चों की तरह हंसता, बोलता और दैनिक गतिविधियां करता है। चिकित्सकों के अनुसार इस प्रकार के मामले अत्यंत दुर्लभ होते हैं। लाखों जन्मों में ऐसे बहुत कम बच्चे देखने को मिलते हैं और उनमें भी जीवित बचने की संभावना बेहद कम रहती है। ऐसे में बच्चे का जीवन की मुख्यधारा में लौटना चिकित्सा विज्ञान की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। परिवार ने इस सफलता का श्रेय डॉ. शिशिर अग्रवाल की लगन, समर्पण और निरंतर प्रयासों को दिया है। वहीं क्षेत्र में इस उपलब्धि की चर्चा हो रही है और लोग इसे चिकित्सा क्षेत्र का प्रेरणादायक उदाहरण बता रहे हैं। 10 साल का संघर्ष, परिवार का अटूट विश्वास और डॉक्टर की मेहनत ने मिलकर उस मासूम को नई जिंदगी दी, जिसे कभी बचा पाना भी मुश्किल माना जा रहा था।

जिले से दो क्षेत्राधिकारियों का हुआ तबादला

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जिले के दो सीओ का गैर जनपदों मे ट्रांसफर किया गया है। बलरामपुर की सीओ ज्योतिश्री को कानपुर भेजा गया है जबकि उतरौला में तैनात रहे सीओ राघवेंद्र सिंह का ट्रांसफर सुल्तानपुर जिले के लिए हो गया है। जिले में दो नये सीओ भेजे गये हैं। कौशांबी जिले में तैनात रहे अभिषेक सिंह व लखनऊ कमिश्नरेट में तैनात अभय प्रताप सिंह को जिले में तैनाती मिली है। हांलाकि 29 मई को जिले से तीन पुलिस इंस्पेक्टरों जिनमें उतरौला के कोतवाल अवधेश कुमार राज भी शामिल हैं उनका स्थानांतरण गैर जनपदों में किया गया था लेकिन उन्हें अभी कार्यमुक्त नहीं किया जा सका है।

संघ शिक्षा वर्ग का आज होगा भव्य समापन, मुख्य अतिथि होंगे अरुण जैन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के गोरक्ष प्रांत अंतर्गत सिद्धार्थनगर विभाग द्वारा आयोजित 15 दिवसीय संघ शिक्षा वर्ग (सामान्य) एवं घोष वर्ग का भव्य समापन समारोह शुक्रवार सायं 6 बजे रघुवर प्रसाद जायसवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, तेतरी बाजार में आयोजित होगा। समारोह के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक एवं अखिल भारतीय सह प्रचारक प्रमुख अरुण जैन होंगे। वे स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए अपना पाथेय प्रदान करेंगे। पंद्रह दिनों से चल रहे इस प्रशिक्षण वर्ग में स्वयंसेवकों को शारीरिक, बौद्धिक एवं संगठनात्मक प्रशिक्षण दिया गया। समापन अवसर पर स्वयंसेवक समता, नियुद्ध, शारीरिक विन्यास तथा घोष (बैंड) के विविध कौशलों का सामूहिक प्रदर्शन करेंगे। कार्यक्रम में गोरक्ष प्रांत के विभिन्न जिलों से स्वयंसेवकों एवं संघ के आनुषंगिक संगठनों के पदाधिकारियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रहने की संभावना है। विभाग चालक रामचंद्र चौधरी एवं सर्वाधिकारी डॉ. चंद्रशेखर सिंह ने क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकों, राष्ट्रप्रेमियों एवं आमजन से सपरिवार कार्यक्रम में उपस्थित होकर स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है। आयोजकों ने सभी आगंतुकों से कार्यक्रम प्रारंभ होने से 15 मिनट पूर्व अपने स्थान ग्रहण करने का अनुरोध किया है।

लोटन में प्रसव के दौरान नवजात की मौत, आशा बहू समेत चार पर मुकदमा दर्ज

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर जिले के लोटन बाजार स्थित एक निजी अस्पताल में प्रसव के दौरान नवजात की मौत का मामला सामने आया है। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने आशा बहू, डॉक्टर, जीएनएम और अस्पताल प्रबंधक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना सीएचसी लोटन के समीप संचालित सदभावना हॉस्पिटल एंड फ्रैक्चर क्लीनिक की बताई जा रही है। मृतक नवजात के परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। पीड़ित हरिशंकर मौर्य के अनुसार मंगलवार सुबह गर्भवती रूबी को प्रसव के लिए सीएचसी लोटन ले जाया गया था। जांच और अल्ट्रासाउंड के बाद चिकित्सकों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। आरोप है कि रेफर होने के बाद गांव की आशा बहू पुष्पा ने जिला अस्पताल ले जाने के बजाय उन्हें सीधे सदभावना हॉस्पिटल पहुंचा दिया। परिजनों का कहना है कि अस्पताल में डॉक्टर नज़रुल हसन और जीएनएम पूजा जायसवाल द्वारा दोबारा अल्ट्रासाउंड कराया गया। आरोप है कि रात करीब आठ बजे प्रसव के दौरान महिला के पेट पर दबाव डालकर जबरन डिलीवरी कराने का प्रयास किया गया, जिससे गर्भ में पल रहे नवजात की मौत हो गई। परिवार का आरोप है कि बच्चे की मौत होने के बाद भी अस्पताल प्रशासन ने करीब एक घंटे तक इसकी जानकारी नहीं दी और मामले को छिपाने का प्रयास किया।

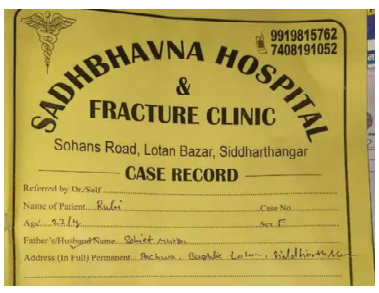

थानाध्यक्ष हरिओम कुशवाहा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कराई। बताया जा रहा है कि पुलिस के पहुंचने से पहले अस्पताल का अधिकांश स्टाफ वहां से जा चुका था। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आशा बहू पुष्पा, डॉक्टर नज़रुल हसन, जीएनएम पूजा जायसवाल और अस्पताल प्रबंधक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। वहीं परिजनों का आरोप है कि अस्पताल से पंजीकरण संबंधी दस्तावेज मांगने पर उन्हें बताया गया कि सभी कागजात कार्यालय में जमा हैं और एक सप्ताह के भीतर पंजीकरण हो जाएगा। इस घटना के बाद क्षेत्र में निजी अस्पतालों की कार्यप्रणाली पर परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि प्रसव के दौरान प्रसूता का एक छोटा ऑपरेशन किया गया था, लेकिन बच्चे की मौत के बाद जीएनएम बिना टांका लगाए ही अस्पताल छोड़कर चली गईं। घटना की जानकारी होने पर अस्पताल परिसर में हंगामा शुरू हो गया। सूचना मिलने पर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रसव के मामलों में मरीजों को निजी अस्पतालों तक पहुंचाने के बदले आशा बहुओं को कमीशन दिए जाने की चर्चाएं आम हैं, जिसके कारण कई गरीब परिवार सरकारी अस्पतालों के बजाय निजी संस्थानों में पहुंच जाते हैं।

सीएचसी लोटन के अधीक्षक डॉ. अमित चौधरी ने बताया कि मामले की जांच के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम भेजी जा रही है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। उल्लेखनीय है कि पिछले 15 दिनों में जिले में नवजात की मौत का यह दूसरा मामला है, जिससे स्वास्थ्य विभाग की निगरानी और निजी अस्पतालों के संचालन पर गंभीर प्रश्न खड़े हो गए हैं।

एंटी करप्शन टीम के हत्थे चढ़े राजस्व निरीक्षक, 10 हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। एंटी करप्शन टीम ने बस्ती जिले के मुंडेरवा क्षेत्र में

कार्रवाई करते हुए राजस्व निरीक्षक अशोकलाल को 10 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरतार कर लिया। गिरतारी के बाद आरोपी को मुंडेरवा थाने लाया गया, जहां उसके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। जानकारी के अनुसार, क्षेत्र के किसान आसमान सिंह ने एंटी करप्शन टीम से शिकायत की थी कि उनके पिता के निधन के बाद जमीन के नामांतरण के लिए राजस्व निरीक्षक द्वारा 10 हजार रुपये की रिश्वत मांगी जा रही है। शिकायत की जांच में आरोप सही पाए जाने पर एंटी करप्शन टीम ने जाल बिछाया। योजना के तहत शिकायतकर्ता को रिश्वत की रकम लेकर भेजा गया। जैसे ही राजस्व निरीक्षक ने 10 हजार रुपये लिए, पहले से तैनात एंटी करप्शन टीम ने उन्हें पकड़ लिया। कार्रवाई के दौरान मौके पर अफरा–तफरी का माहौल बन गया। एंटी करप्शन टीम के प्रभारी देवेंद्र अशोकपाल ने बताया कि आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। घटना के बाद क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है।

गोरखपुर में त्वरित आर्थिक विकास योजना के तहत 253.50 लाख रुपये की 12 विकास परियोजनाओं को मंजूरी, सीसी सड़क और नाली निर्माण पर होगा फोकस

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष 2026–27 में त्वरित आर्थिक विकास योजना के अंतर्गत गोरखपुर जनपद के लिए 12 विकास कार्यों को स्वीकृति प्रदान करते हुए कुल 253.50 लाख रुपये की धनराशि मंजूर की है। इस संबंध में शासन द्वारा जारी आदेश की प्रति जिलाधिकारी गोरखपुर को प्रेषित कर दी गई है।योजना के तहत शहरी क्षेत्रों में आधारभूत ढांचे को मजबूत करने और नागरिक सुविधाओं में सुधार लाने के उद्देश्य से विभिन्न वार्डों में सीसी सड़क, आरसीसी नाली एवं इंटरलॉकिंग कार्यों को प्राथमिकता दी गई है।स्वीकृत परियोजनाओं में नंदानगर पवन बिहार क्षेत्र में आरसीसी नाली, सीसी सड़क एवं साइड पटरी इंटरलॉकिंग कार्य के लिए 28.74 लाख रुपये, डॉ. राजेन्द्र नगर में सीसी सड़क एवं नाला निर्माण के लिए 11.35 लाख रुपये, चतुर्वेदी भवन से ट्रांसफॉर्मर होते हुए मलिन बस्ती की विभिन्न गलियों में सीसी सड़क एवं नाला निर्माण के लिए 40.83 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं।इसके अतिरिक्त लोहिया नगर में सीसी सड़क एवं आरसीसी नाली निर्माण हेतु 27.49 लाख रुपये, माधोपुर में 12.31 लाख रुपये, शाहपुर में 6.87 लाख रुपये तथा शक्तिनगर में 23.41 लाख रुपये की धनराशि मंजूर की गई है।इसी क्रम में सूरजकुंड क्षेत्र में 23.96 लाख रुपये, संत झूलेलाल क्षेत्र में 31.89 लाख रुपये, नकहा में 7.25 लाख रुपये, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नगर में साइड पटरी इंटरलॉकिंग एवं नाली निर्माण के लिए 21.46 लाख रुपये तथा इंदिरा नगर में सीसी सड़क एवं आरसीसी नाली निर्माण के लिए 17.94 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं।सरकार का कहना है कि इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से गोरखपुर के विभिन्न वार्डों में जल निकासी व्यवस्था सुधरेगी, सड़क संपर्क बेहतर होगा और नागरिकों को मूलभूत सुविधाओं का लाभ मिलेगा। साथ ही शहरी क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलने से स्थानीय विकास को गति मिलेगी।

प्रदेश सरकार के सेवा, सुशासन एवं जनकल्याण अभियान को लेकर आगरा में व्यापक समीक्षा बैठक, 12 वर्ष पूर्ण होने पर 05 जून से 21 जून तक चलेंगे विविध जनहितकारी कार्यक्रम

लखनऊ। 04 जून, 2026।प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री तथा आगरा के प्रभारी मंत्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष देश के विकास, सुशासन, सेवा और जनकल्याण के स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज हुए हैं। उन्होंने कहा कि इन वर्षों में गरीब, किसान, युवा, महिला और वंचित वर्ग के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाली अनेक ऐतिहासिक योजनाएं लागू की गई हैं। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इन योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू कर जन–जन तक लाभ पहुंचाया गया है।नवीन सर्किट हाउस सभागार, आगरा में आयोजित समीक्षा बैठक एवं पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 05 जून से 21 जून 2026 तक प्रदेशभर में "सेवा, सुशासन, संस्कार एवं सम्मान" अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के माध्यम से केंद्र एवं राज्य सरकार की उपलब्धियों, विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी व्यापक स्तर पर जनता तक पहुंचाई जाएगी।उन्होंने कहा कि संगठन एवं प्रशासन के समन्वित प्रयासों से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचे। सभी जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं कार्यकर्ता जनसंपर्क अभियान के माध्यम से लोगों को योजनाओं से जोड़ने तथा उनकी समस्याओं के समाधान में सक्रिय भूमिका निभाएं।अभियान के अंतर्गत 05 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर "एक पेड़ मां के नाम" के तहत वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके साथ ही स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण पर विशेष जनजागरूकता कार्यक्रम भी चलाए जाएंगे।08 जून से 14 जून तक जनसंपर्क एवं जनजागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं से जोड़ा जाएगा।

इसी अवधि में "सरकार आपके द्वार" अभियान के अंतर्गत जनसमस्या समाधान शिविर आयोजित किए जाएंगे। 11 जून से 14 जून तक पत्रकार संवाद कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार की उपलब्धियों का व्यापक प्रसार किया जाएगा।14 जून से 16 जून तक जनकल्याण शिविर एवं स्वास्थ्य मेले आयोजित होंगे, जिनमें आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, अटल पेंशन योजना सहित विभिन्न योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों को उपलब्ध कराया जाएगा।16 एवं 17 जून को विकसित भारत संकल्प सम्मेलन आयोजित होंगे, जिनमें शिक्षाविदों, चिकित्सकों, उद्यमियों एवं समाज के प्रबुद्ध वर्ग के साथ संवाद स्थापित किया जाएगा। 17 जून से 20 जून तक विकास प्रदर्शनी के माध्यम से प्रदेश में आधारभूत संरचना, औद्योगिक निवेश, सांस्कृतिक धरोहर, कानून व्यवस्था तथा जनकल्याणकारी योजनाओं की उपलब्धियों को प्रदर्शित किया जाएगा।18 एवं 19 जून को प्राकृतिक खेती एवं कृषि नवाचारों पर विशेष कार्यशालाएं आयोजित कर किसानों को आधुनिक एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों के प्रति जागरूक किया जाएगा।

नेपाल ने सीमा पर सामान लाने की शुल्क सीमा बढ़ाई, 500 नेपाली रुपये तक मिलेगी छूट

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनौली/महराजगंज। नेपाल सरकार ने भारत–नेपाल सीमा से आने–जाने वाले यात्रियों के लिए सामान लाने संबंधी नियमों में बदलाव किया है। नए प्रावधान के तहत अब 100 नेपाली रुपये की जगह 500 नेपाली रुपये तक मूल्य के निजी उपयोग के सामान पर सीमा शुल्क नहीं लगेगा। नेपाल राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के अनुसार, 500 नेपाली रुपये तक की निजी वस्तुओं पर सीमा शुल्क नहीं लिया जाएगा। हालांकि, भारत से नेपाल पहुंच रहे यात्रियों के लिए यह राहत सीमित मानी जा रही है, क्योंकि मौजूदा समय में 500 नेपाली रुपये भारतीय मुद्रा में लगभग 312 रुपये के बराबर हैं। व्यापारिक संगठनों का कहना है कि इस बदलाव से सीमा क्षेत्र के कारोबार पर विशेष प्रभाव पड़ सकता है। सोनौली व्यापार मंडल के अध्यक्ष सुभाष जायसवाल ने कहा कि नेपाल सरकार ने केवल शुल्क सीमा बढ़ाने का औपचारिक कदम उठाया है, जबकि वास्तविक राहत के लिए यह सीमा कम से कम 2000 भारतीय रुपये तक होनी चाहिए थी। नए नियम लागू होने के बाद सीमा क्षेत्र के व्यापारियों और यात्रियों की नजर इसके प्रभाव पर टिकी हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि सीमित छूट से आम उपभोक्ताओं को ज्यादा लाभ नहीं मिलेगा, जबकि सीमा पार छोटे व्यापार पर इसका असर पड़ सकता है।

उत्तर प्रदेश की पंचायत राज व्यवस्था को राष्ट्रीय पहचान, 'नेशनल कंपेंडियम' में राज्य की तीन अभिनव पहलों को मिला स्थान, डिजिटल सुशासन मॉडल की देशभर में सराहना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के गौरवशाली प्रशासनिक इतिहास में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन तथा पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर के नेतृत्व में राज्य का पंचायती राज विभाग ग्रामीण सुशासन और डिजिटल नवाचार की नई पहचान बनकर उभरा है।भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय द्वारा जारी प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संकलन 'नेशनल कंपेंडियम' में उत्तर प्रदेश की तीन अभिनव पहलों को राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया है। इन पहलों को देशभर के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की सर्वश्रेष्ठ योजनाओं में स्थान मिलना राज्य की तकनीकी प्रगति और ग्रामीण प्रशासन में हुए व्यापक सुधार का प्रमाण माना जा रहा है।पहली प्रमुख पहल के रूप में एआई आधारित पंचायत गेटवे पोर्टल को शामिल किया गया है, जिसके माध्यम से ग्राम सचिवालयों में फेशियल रिकग्निशन और जियो–फेंसिंग तकनीक के जरिए डिजिटल उपस्थिति सुनिश्चित की जा रही है। इस प्रणाली से वित्तीय लेन–देन में पारदर्शिता बढ़ी है और विकास कार्यों में जवाबदेही तय हुई है।दूसरी पहल के तहत ग्राम सचिवालयों में आधार केंद्रों की स्थापना को राष्ट्रीय मॉडल के रूप में मान्यता मिली है। इससे ग्रामीण नागरिकों, विशेषकर बुजुर्गों, महिलाओं और दिव्यांगों को आधार संबंधी सेवाएं गांव स्तर पर ही उपलब्ध हो रही हैं, जिससे उन्हें शहरों या तहसीलों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं।

तीसरी पहल डिजिटल गवर्नेंस आधारित वित्तीय प्रणाली से जुड़ी है, जिसके माध्यम से पंचायतों की राजस्व वसूली और बैंक समन्वय की प्रक्रिया को पूर्णतः डिजिटल कर दिया गया है। इससे टैक्स संग्रह में पारदर्शिता बढ़ी है और ग्राम पंचायतों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे वे अधिक आत्मनिर्भर बन रही हैं।इस उपलब्धि पर मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि यह सफलता मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'डिजिटल पंचायत, सशक्त पंचायत' विजन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आज ग्रामीण सुशासन के क्षेत्र में देश का नेतृत्व कर रहा है।पंचायती राज विभाग के निदेशक अमित कुमार सिंह ने इसे विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि 'विकसित पंचायत से विकसित भारत' के लक्ष्य की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है।यह राष्ट्रीय मान्यता उत्तर प्रदेश की ग्रामीण शासन व्यवस्था में आए डिजिटल और संरचनात्मक परिवर्तन को रेखांकित करती है, जो आने वाले समय में देश के अन्य राज्यों के लिए भी एक प्रेरणादायक मॉडल के रूप में उभर सकती है।

मोदी सरकार के 12 वर्ष सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित रहे:योगेन्द्र उपाध्याय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री एवं कानपुर के प्रभारी मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने गुरुवार को कानपुर में मीडिया प्रतिनिधियों से संवाद करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के "सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण" को समर्पित 12 वर्ष पूर्ण होने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह अवधि भारत के उत्कर्ष, आत्मविश्वास और वैश्विक प्रतिष्ठा की नई पहचान स्थापित करने वाली रही है।उन्होंने बताया कि इस अवसर पर आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की तैयारियां की जा रही हैं। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने विश्व मंच पर अपनी सशक्त पहचान बनाई है और देश आज आर्थिक दृष्टि से दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है, जो राष्ट्रीय क्षमता और वैश्विक प्रभाव का प्रमाण है।योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि केंद्र सरकार के कार्यकाल में कई ऐतिहासिक और साहसिक निर्णय लिए गए हैं, जिनमें अनुच्छेद 370 का हटाया जाना, आतंकवाद के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक तथा ऑपरेशन सिंदूर जैसे कदम शामिल हैं। इन निर्णयों ने भारत की सुरक्षा नीति को नई मजबूती प्रदान की है।उन्होंने कहा कि देश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत के पुनर्जागरण की दिशा में भी महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण, केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम का पुनर्विकास तथा सोमनाथ सहित प्रमुख तीर्थ स्थलों का सौंदर्यीकरण धार्मिक पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई गति दे रहा है।आर्थिक सुधारों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के क्रियान्वयन और नोटबंदी जैसे निर्णयों ने अर्थव्यवस्था को पारदर्शी और संगठित बनाया है। साथ ही डिजिटल इंडिया अभियान ने देश को तकनीकी क्षेत्र में अग्रणी बनाया है जिससे डिजिटल भुगतान में भारत विश्व के अग्रणी देशों में शामिल हो चुका है।उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में आधारभूत ढांचे का तेजी से विकास हुआ है। नए एक्सप्रेसवे, राष्ट्रीय राजमार्ग, हवाई अड्डे और रेलवे नेटवर्क के विस्तार ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों को जोड़ते हुए विकास को नई गति दी है।जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, किसान सम्मान निधि, जन–धन योजना और स्वच्छ भारत मिशन जैसी योजनाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन स्तर में सुधार किया है और गरीब, किसान, महिला तथा वंचित वर्गों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा है।

डीएलआरसी एवं डीसीसी बैठक में बैंकिंग योजनाओं की समीक्षा, डीएम ने ऋण वितरण बढ़ाने के दिए निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी श्री शिवशरणप्पा जी.एन. की अध्यक्षता में डीएलआरसी एवं डीसीसी बैंकिंग कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, स्वयं सहायता समूहों की सीसीएल, फसल बीमा तथा विभिन्न ऋण योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2025–26 में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के 1800 लक्ष्य के सापेक्ष 491 आवेदन बैंकों को भेजे गए, जिनमें 118 स्वीकृत और 88 लाभार्थियों को ऋण वितरित किया गया है, जबकि 259 आवेदन लंबित हैं। इस पर जिलाधिकारी ने सभी शाखा प्रबंधकों को लंबित आवेदनों का शीघ्र निस्तारण कर तहसीलवार मेगा क्रेडिट कैंप आयोजित कर ऋण वितरण बढ़ाने के निर्देश दिए। डीएम ने स्वयं सहायता समूहों के कम बैंक खाते खोले जाने तथा सीसीएल स्वीकृति की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए एक माह के भीतर लंबित मामलों के निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना, पीएम स्वनिधि, ग्रामीण आजीविका मिशन तथा अन्य योजनाओं के पात्र लाभार्थियों को प्राथमिकता के आधार पर ऋण उपलब्ध कराया जाए। बैठक में जनपद का सीडी रेशियो 43.47 प्रतिशत पाया गया, जिस पर जिलाधिकारी ने कार्ययोजना बनाकर इसे बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी बैंकों को मासिक लक्ष्य निर्धारित कर ऋण वितरण में तेजी लाने को कहा। लीड बैंक अधिकारी आर.के. सिन्हा ने बताया कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 6248 लक्ष्य के सापेक्ष 5998 प्रस्ताव बैंकों को भेजे गए, जिनमें 5776 समूहों को सीसीएल स्वीकृत हो चुका है जबकि 222 मामले लंबित हैं। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना और ओडीओपी योजना के लंबित आवेदनों को भी शीघ्र स्वीकृत करने के निर्देश दिए गए। किसान क्रेडिट कार्ड योजना में 72,492 के लक्ष्य के सापेक्ष 71,777 केसीसी जारी किए जा चुके हैं, जो लक्ष्य का 99.01 प्रतिशत है। जिलाधिकारी ने पशुपालन, मत्स्य पालन एवं दुग्ध उत्पादन से जुड़े केसीसी मामलों में भी प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2025–26 की प्रथम तिमाही में 474.97 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत एवं वितरित किया गया। वहीं प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ 2025–26 में 55,140 किसानों का बीमा किया गया, जिसमें 9,960 किसानों को 3.47 करोड़ रुपये का दावा भुगतान मिला है। डीएम ने फसल बीमा के प्रति किसानों को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाने को कहा। बैठक में सांसद प्रतिनिधि एस. पी. अग्रवाल, डीसीएनआरएलएम देवनंदन दूबे, लीड बैंक अधिकारी आर.के. सिन्हा, जिला कृषि अधिकारी रविशंकर पाण्डेय, विभिन्न बैंकों के शाखा प्रबंधक तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

महंगाई और बेरोजगारी के विरोध में सपा का प्रदर्शन, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के विरोध में प्रदर्शन किया। प्रदेश सदस्य कमाल अहमद खान के नेतृत्व में पावर हाउस से जुलूस निकालकर कार्यकर्ता तहसील पहुंचे और राज्यपाल को संबोधित 15 सूत्रीय ज्ञापन उपजिलाधिकारी निखिल चक्रवर्ती को सौंपा। सभा को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष लालजी यादव ने प्रदेश सरकार पर जनहित के मुद्दों पर विफल रहने का आरोप लगाया। वहीं कमाल अहमद खान ने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, पुलिसिया उत्पीड़न, बढ़ती ईंधन कीमतों, अघोषित बिजली कटौती तथा किसानों को खाद–बीज की समस्या से जनता परेशान है। उन्होंने नीट पेपर लीक का मुद्दा उठाते हुए कहा कि परीक्षा घोटालों से युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। साथ ही लोकतांत्रिक अधिकारों की आवाज उठाने वालों पर कार्रवाई की भी आलोचना की। इस दौरान अनीता द्विवेदी, इमरान खान, मजहर, सहबान, जावेद, संतोष, अदनान खान, समीर, जमीरूल्लाह सहित बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दबंगों के आगे बेबस बुजुर्ग लेखपाल, शिकायत के बाद भी नहीं हटा खिड़की के रास्ते से अतिक्रमण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद के बांसी कोतवाली अंतर्गत ग्राम नरही बुजुर्ग (कुदारन परगना–बांसीपुर) में एक सेवानिवृत्त (रिटायर) लेखपाल और उनके परिवार को गांव के ही कुछ दबंगों द्वारा प्रताड़ित करने और उनके पुश्तैनी रास्ते को बाधित करने का गंभीर मामला प्रकाश में आया है। पीड़ित बुजुर्ग द्वारा बार–बार जिलाधिकारी और समाधान दिवस में गुहार लगाने के बावजूद अब तक स्थानीय प्रशासन और पुलिस द्वारा कोई ठोस निस्तारण नहीं किया गया है, जिससे पीड़ित का परिवार लगातार भय के साए में जीने को मजबूर है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम नरही बुजुर्ग निवासी स्वामीनाथ दूबे (पुत्र शोहरत नाथ), जो कि एक अवकाशप्राप्त लेखपाल हैं, उन्होंने जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर को दिए शिकायती पत्र (फाइल 1008902111.heic और 1008902112.heic) में आरोप लगाया है कि उनके आवासीय मकान के पीछे महिलाओं के आने–जाने के लिए एक खिड़की और रास्ता बना हुआ है। इस रास्ते को गांव के ही मनबढ़ किस्म के व्यक्ति ईनल और मदनेश (पुत्रगण पहदेव) द्वारा जबरन अपनी गाड़ी खड़ी करके और बाउंड्री (दीवार) खड़ी करने की धमकी देकर अवरुद्ध कर दिया गया है। नायब तहसीलदार की जांच में रास्ता हुआ था सिद्ध

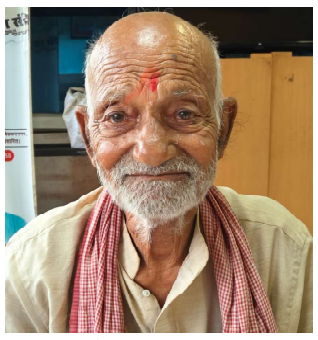

पीड़ित के अनुसार, इस विवादित रास्ते के संबंध में दिनांक 05–02–2024 को नायब तहसीलदार तिलौली द्वारा स्थलीय जांच की आख्या (रिपोर्ट) भी लगाई गई थी, जिसमें उक्त स्थान को महिलाओं के आने–जाने का रास्ता साफ तौर पर स्वीकार किया गया था। लेकिन इसके बावजूद विपक्षी दल अपनी दबंगई से बाज नहीं आ रहे हैं। समाधान दिवस में शिकायत के बाद मिल रही जान से मारने की धमकी अवकाशप्राप्त लेखपाल स्वामीनाथ दूबे ने बताया कि उन्होंने इस संबंध में पूर्व में भी 30 अक्टूबर 2025 और उसके बाद 7 मार्च 2026 को समाधान दिवस में जिलाधिकारी महोदय को लिखित प्रार्थना पत्र देकर अपनी समस्या से अवगत कराया था। आरोप है कि उच्च अधिकारियों से शिकायत करने से खुन्नस खाकर विपक्षी ईनल और मदनेश अब बुजुर्ग व उनके परिवार को लगातार जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। पीड़ित का कहना है कि विपक्षी काफी रसूखदार और आर्थिक रूप से संपन्न हैं, जिसके बल पर वे तहसील बांसी और स्थानीय थाने के कर्मचारियों को गुमराह कर मामले का निस्तारण नहीं होने दे रहे हैं। बुजुर्ग स्वामीनाथ दूबे ने जिलाधिकारी से पुनः लिखित अनुरोध करते हुए मांग की है कि महिलाओं के आने–जाने वाले इस खिड़की मार्ग को पूरी तरह साफ और चालू (रंवा) कराया जाए। साथ ही, विपक्षियों से अपने जान–माल का खतरा जताते हुए स्थानीय कोतवाली बांसी व संबंधित तहसील प्रशासन को सख्त निर्देश देने की कृपा की जाए, ताकि मामले का निष्पक्ष निस्तारण हो सके और एक रिटायर्ड कर्मचारी को बुढ़ापे में न्याय मिल सके।

विवाहित महिला की संदिग्ध मौत में मामले में पति गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। थाना क्षेत्र के पड़रिया गांव में विवाहित महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नामजद आरोपी पति को घटना के 72 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश करने के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, पड़रिया निवासी 24 वर्षीय खुशबू का शव मंगलवार को घर के अंदर फंदे से लटका मिला था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। मामले में मृतका के मायके पक्ष ने पति, सास और दो ननदों पर दहेज उत्पीड़न एवं हत्या का आरोप लगाते हुए तहरीर दी थी, जिसके आधार पर थाना शोहरतगढ़ में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस के अनुसार, मृतका की शादी करीब पांच वर्ष पूर्व पड़रिया निवासी दिनेश यादव उर्फ बुडाऊ से हुई थी। विवाह के बाद उसके एकस पुत्र का जन्म हुआ। मृतका का मायका बलरामपुर जिले के पचपेड़वा थाना क्षेत्र में है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिषेक महाजन के निर्देश पर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद एवं क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी नवीन कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई की। उपनिरीक्षक परमानंद राय व उनकी टीम ने मुखबिर की सूचना पर परसा रेलवे क्रॉसिंग के पास से आरोपी पति दिनेश यादव उर्फ बुडाऊ (27) पुत्र मन्नू यादव निवासी पड़रिया, थाना शोहरतगढ़ को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध मु.अ.सं. 97/2026 में धारा 80(2), 85 बीएनएस एवं 3/4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज है। गिरफ्तार आरोपी को विधिक कार्रवाई के बाद न्यायालय भेज दिया गया है। गिरफ्तारी टीम में उपनिरीक्षक परमानंद राय एवं हेड कांस्टेबल मनोज प्रसाद शामिल रहे।

सांसद जगदंबिका पाल के 17 वर्ष का संसदीय सफर पूरा, जनपद में खुशी का माहौल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज के सांसद जगदंबिका पाल के सांसद के रूप में 17 वर्ष का सफल कार्यकाल पूर्ण होने पर जनपद में खुशी और उत्साह का माहौल है। विभिन्न सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। सांसद जगदंबिका पाल ने अपने संसदीय कार्यकाल के दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, रेलवे, पर्यटन तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए लगातार प्रयास किए हैं। उनके प्रयासों से जनपद को कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का लाभ मिला, जिससे सिद्धार्थनगर की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत हुई है। जनपदवासियों का कहना है कि सांसद के रूप में उनके 17 वर्ष का कार्यकाल केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरे जिले के लिए गौरव और सम्मान का विषय है। जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और विकास कार्यों में सक्रिय भूमिका लोगों के लिए प्रेरणास्रोत बनी हुई है। इस अवसर पर नागरिकों ने उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं उज्ज्वल राजनीतिक जीवन की कामना करते हुए आशा व्यक्त की कि उनके मार्गदर्शन में सिद्धार्थनगर विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करता रहेगा। जनपदवासियों ने सांसद जगदंबिका पाल को 17 वर्ष का सफल संसदीय कार्यकाल पूर्ण करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

गरीब, किसान और महिला कल्याण योजनाओं का लाभ हर घर तक पहुंचाएं कार्यकर्ता : फूलचंद जायसवाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शोहरतगढ़ मंडल की कामकाजी मासिक बैठक गुरुवार को नगर पंचायत शोहरतगढ़ स्थित श्रीराम जानकी मंदिर परिसर में आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत बनाना, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करना तथा जनसंपर्क अभियान को गति देना रहा। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष शिवशक्ति शर्मा ने की, जबकि संचालन मंडल महामंत्री अभिषेक चौधरी ने किया। कार्यक्रम में जिला महामंत्री एवं मंडल प्रभारी फूलचंद जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि फूलचंद जायसवाल ने कार्यकर्ताओं से संगठन की नीतियों और कार्यक्रमों को जन–जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने आगामी कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए बूथ स्तर की समितियों को और अधिक सक्रिय बनाने पर जोर दिया। साथ ही केंद्र सरकार के सफलतम 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर कार्यकर्ताओं से गरीब कल्याण, किसान हित और महिला सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं की जानकारी आम जनता तक पहुंचाने का आग्रह किया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष शिवशक्ति शर्मा ने कहा कि भाजपा विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल है और इसकी वास्तविक शक्ति इसके समर्पित जमीनी कार्यकर्ता हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित पार्टी है, जहां संगठन की मजबूती कार्यकर्ताओं की सक्रियता से ही सुनिश्चित होती है। बैठक में वरिष्ठ भाजपा नेता कृष्ण पाल चौधरी, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि अग्रवाल, मनोनीत कार्यालय सह–प्रभारी महेंद्र लोधी, मंडल उपाध्यक्ष संजय दूबे, शिवप्रसाद चतुर्वेदी, बेचन प्रसाद, मंडल मंत्री विजय कुमार गुप्ता, राममगन यादव, वीरेंद्र गुप्ता, पंकज गौड़, शक्ति केंद्र संयोजक श्रीराम चौहान, लवकुश चौधरी, राधेश्याम मिश्रा, रामजी जायसवाल, संजय मिश्रा, आशीष गुप्ता, मंडल मीडिया प्रभारी रामकृष्ण शुक्ला, हिमांशु मिश्रा सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुलिस भर्ती परीक्षा की तैयारियों को लेकर डीएम और एसपी ने अधिकारियों को किया ब्रीफ

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित आरक्षी नागरिक पुलिस सीधी भर्ती परीक्षा–2025 को सकुशल एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने गुरुवार को अंबेडकर सभागार में पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों तथा कर्मचारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। बैठक में परीक्षा को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने तथा कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों को ब्रीफ किया गया। जिलाधिकारी ने शासन द्वारा जारी दिशा–निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पहले पूरी कर ली जाएं। उन्होंने अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ परीक्षा संपन्न कराने पर जोर देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वहीं अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार ने पीपीटी के माध्यम से परीक्षा संबंधी व्यवस्थाओं और सुरक्षा प्रबंधों की विस्तृत जानकारी दी। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक, उपजिलाधिकारीगण, क्षेत्राधिकारी सहित पुलिस एवं प्रशासन के अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

खेसरहा थाना क्षेत्र के मैथवलिया में मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं को किया जागरूक, साइबर सुरक्षा की दी जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देशन में संचालित मिशन शक्ति फेज–5 (द्वितीय चरण) अभियान के तहत थाना खेसरहा पुलिस द्वारा महिलाओं को जागरूक करने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। थाना प्रभारी अनूप कुमार मिश्रा के नेतृत्व में मिशन शक्ति टीम ने थाना क्षेत्र के ग्राम मैथवलिया में बहू–बेटी सम्मेलन एवं साइबर जागरूकता चौपाल का आयोजन किया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को महिला अपराध, घरेलू हिंसा, छेड़खानी, साइबर ठगी तथा अन्य अपराधों से बचाव के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। पुलिस टीम ने महिलाओं को महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, महिला हेल्पलाइन 181 तथा साइबर हेल्पलाइन 1930 के बारे में जानकारी देते हुए आवश्यकता पड़ने पर तत्काल सहायता लेने के लिए प्रेरित किया। साथ ही सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, ऑनलाइन ठगी से बचाव तथा डिजिटल सुरक्षा के प्रति भी जागरूक किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याएं सुनी गईं तथा उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने और किसी भी प्रकार की घटना होने पर बिना संकोच पुलिस से संपर्क करने की सलाह दी गई। अभियान का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर, सुरक्षित एवं जागरूक बनाना है।

भाजपा लोटन मंडल की मासिक बैठक में आगामी कार्यक्रमों पर मंथन

दैनिक बुद्ध का संदेश

लोटन/सिद्धार्थनगर। सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय, लोटन में भाजपा लोटन मंडल की मासिक बैठक मंडल अध्यक्ष डॉ. संजय कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में जन कल्याण शिविर, विकसित भारत संकल्प सम्मेलन, वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान और अंतरराष्ट्रीय योग दिवस सहित आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों पर चर्चा की गई। मुख्य अतिथि एवं पूर्व जिलाध्यक्ष बृजबिहारी मिश्र ने कार्यकर्ताओं से केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का आह्वान किया। डॉ. संजय कुमार शुक्ल ने बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने और जनसंपर्क अभियान को सफल बनाने पर जोर दिया। बैठक में कई भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा नौगढ़ देहात मंडल कार्यशाला में संगठन मजबूती पर जोर

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। भारतीय जनता पार्टी के नौगढ़ देहात मंडल की कार्यशाला का आयोजन लार्ड बुद्धा पब्लिक स्कूल, शिवपति नगर में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष सोनू गुप्ता ने की। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में मंडल प्रभारी एवं जिला मीडिया प्रभारी मौजूद रहे। इस दौरान संगठन की आगामी गतिविधियों, योजनाओं और कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने कार्यकर्ताओं से केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने तथा संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख सदर प्रतिनिधि राजेश मिश्रा, प्रधान संघ ब्लॉक अध्यक्ष गंगा मिश्रा, राधे बाबा, अजय गुप्ता, अनिल चौधरी सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यशाला का समापन संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के संकल्प के साथ हुआ।

सम्पादकीय

क्यों किसी भी विभाग ने निरीक्षण व कार्रवाई की जहमत नहीं उठायी ? क्या निरीक्षण करने वाले अधिकारी ले–देकर खामोश होकर बैठ गए ? विडंबना देखिए कि बेसमेंट में कमरे,किचन बना दिए गए, लेकिन वेंटिलेशन व इमरजेंसी एग्जिट का कोई प्रावधान नहीं था। जिससे होटल धुंआ निकासी की चिमनी बनकर रह गया और तमाम लोगों की दम घुटने से मौत हो गई। बताते हैं कि ...

आपराधिक लापरवाही की जवाबदेही हो तय

दिल्ली में मालवीय नगर स्थित एक होटल में हुए अग्निकांड के बाद भले ही गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया हो, लेकिन सवाल है कि अग्निकांड में मरे लोगों का जीवन कौन लौटाएगा? आखिर देश की राजधानी में अकसर होने वाले अग्निकांडों का सिलसिला कब और कैसे खत्म होगा? क्या इस आपराधिक लापरवाही की जवाबदेही तय होगी? एक बार फिर अंधे लालच और आंख मूंदे तंत्र की लापरवाही से बुधवार को एक होटल में लगी भीषण आग में 21 लोगों की मौत हो गई। अभी भी कई लोग जिंदगी और मौत के बीच झूल रहे हैं। मरने वालों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका भी जतायी जा रही है। घटना ने एक बार फिर होटल, गेस्टहाउस और रेस्तरां संचालन की निगरानी करने वाली व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। विडंबना देखिए कि मरने वालों में अधिकांश विदेशी लोग भी हैं, जो सस्ता इलाज कराने भारत आए थे। एक ही परिवार के आठ लोगों के अग्निकांड का शिकार होना बेहद दुखद है। विडंबना देखिए कि जिस एक मंजिला भवन को छह कमरों का गेस्ट हाउस चलाने की अनुमति मिली थी, वहां शासन–प्रशासन की नाक के नीचे एक छह मंजिला होटल बना दिया गया, जिसमें 26 कमरे और रेस्टोरेंट संचालित किया जा रहा था। जिसमें अस्सी से सौ लोगों की मौजूदगी बतायी जा रही है। निश्चित रूप से यह महज आग से जुड़ा हादसा नहीं है बल्कि होटल संचालन से जुड़े नियमों की अनदेखी, निगरानी करने वाले विभागों की लापरवाही और तंत्र की विफलता का परिचायक है। लेकिन गाहे–बगाहे होने वाले अग्निकांडों के बावजूद तंत्र की काहिली बदस्तूर जारी है। जांच के दायरे में घटना के बाद फरार होटल मालिक ही नहीं, बल्कि वे अधिकारी भी जिम्मेदार हैं जिन्होंने इसको संचालित करने के नियमों का अनुपालन नहीं किया और भवन निर्माण की स्वीकृति व उपयोग की अनुमति दी। यह जानते हुए भी कि होटल में निकासी का मार्ग बेहद संकरा है और अग्निशमन की पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध नहीं हैं। दिल्ली के होटल में हुए अग्निकांड के बारे में बताते हैं कि आपातकालीन निकासी के अभाव व सुरक्षा मानकों का पालन न होने से ज्यादा मौतें हुई। धुंआ निकलने की पर्याप्त व्यवस्था न होने के कारण भी ज्यादा लोग दम घुटने से मौत के मुंह में समा गए। आखिर प्रशासन के अधिकारियों ने यह क्यों नहीं देखा कि स्वीकृत क्षमता से चार गुना विस्तार कर लिया गया है। गेस्ट हाउस के निर्माण में तमाम लाइसेंस शर्तों का घोर उल्लंघन हुआ। आपातकालीन निकासी की व्यवस्था न होने के कारण लोग अपनी जान बचाने के लिये, बदहवासी में ऊपरी मंजिलों से कूदते नजर आए। होटल के बाहर फैले बिजली के तार और अग्निकांड में हुई व्यापक क्षति बताती है कि विद्युत सुरक्षा मानकों का भी पालन ठीक से नहीं हुआ। जाहिर बात है कि गेस्ट हाउस से होटल बनाने से, उपयोग में हुए बदलाव की निगरानी की जिम्मेदारी स्थानीय नगर निकाय की होती है। यदि वर्षों से यह अवैध रूप से संचालित था, तो जांच व कार्रवाई क्यों नहीं की गई। यदि इसकी अग्नि सुरक्षा को लेकर एनओसी जारी की भी गई थी तो उसके बाद निरीक्षण व नियमों का अनुपालन क्यों सुनिश्चित नहीं किया गया? जाहिर बात है कि लाइसेंस प्राप्त करने वाले होटलों व रेस्टोरेंट की नियमित जांच करके इनके मालिकों की जवाबदेही भी सुनिश्चित की जानी चाहिए थी। क्यों किसी भी विभाग ने निरीक्षण व कार्रवाई की जहमत नहीं उठायी? क्या निरीक्षण करने वाले अधिकारी ले–देकर खामोश होकर बैठ गए? विडंबना देखिए कि बेसमेंट में कमरे,किचन बना दिए गए, लेकिन वेंटिलेशन व इमरजेंसी एग्जिट का कोई प्रावधान नहीं था। जिससे होटल धुंआ निकासी की चिमनी बनकर रह गया और तमाम लोगों की दम घुटने से मौत हो गई। बताते हैं कि आरोपी होटल मालिक आसपास में ही कुछ पार्टनरों के साथ मिलकर तीन होटल संचालित कर रहा था और सब ही जगह आपराधिक लापरवाही नजर आई। मोटे मुनाफे के लिये लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ किया जा रहा था। लेकिन स्थानीय प्रशासन व जवाबदेह विभाग बेपरवाह बने रहे। निश्चय ही यह स्थिति सख्त कार्रवाई के बाद बदलनी चाहिए।

कभी नानीलैंड होती थी बच्चों की समर कैपिटल

मोबाइल स्क्रीन कभी वो खुशबू नहीं दे सकती जो नानी के आंचल से आती थी। जिस पीढ़ी ने नानी की गोद खो दी, उसने बचपन का सबसे मुलायम तकिया खो दिया। नाना बैठे–बैठे आज भी यह सोचता होगा कि उसके घर को नाने का घर क्यूं नहीं कहते। एक जमाना था जब बच्चों की गर्मियों की छुट्टियां कुल्लू–मनाली, श्रीनगर, स्विट्जरलैंड नहीं, सीधे 'नानीलैंड' में कटती थीं। गर्मियों की छुट्टियों का मतलब ही होता था– नानी का घर और बच्चों के चेहरे पर ऐसा उत्साह, जैसे विदेश यात्रा पर जा रहे हों। नानी के घर जाने पर बच्चे पांच मिनट में ऐसे तैयार हो जाते थे जैसे पुलिस रेड पड़ने वाली हो। नानी का घर उस समय बच्चों का 5 स्टार रिजॉर्ट होता था। वहां का पंखा भी अलग ही हवा देता था। उसकी चर्र–चर्र में भी लोरी होती थी। नानी का घर कोई साधारण घर नहीं होता था। वह बच्चों का संयुक्त राष्ट्र था। वहां मौसी के बच्चे, मामा के बच्चे, पड़ोस के बच्चे सब मिलकर ऐसा शोर मचाते थे कि लगता था घर में बच्चे नहीं पूरी बारात ठहरी हुई है। बच्चों की धींगामस्ती देखकर तो घर का कुत्ता भी कोने में बैठकर शांति वार्ता की मांग करता था। नानी के घर में नियम कम, प्यार ज्यादा होता था। सुबह देर तक सोओ तो भी कोई डांट नहीं। रोटी छोड़ दो तो नानी खुद हाथ से कौर बनाकर खिलाती थी और रात को कहानी सुनाते–सुनाते खुद सो जाती थी। बच्चे पूरे दिन छत पर, आंगन में, पेड़ों पर, गली में घूमते थे। कभी लूडो, कभी पिट्ठू, कभी कंचे। और शाम को नानी की आवाजकृआजा बेट्टा, दूध पी ले। नानी बोलती कि एक रोटी और ले ले। बच्चा कहताकृना नानी पेट भर गया। इस पर नानी कहती पेट भर गया होगा पर नानी का मन नहीं भरा। छुट्टियों के बाद नानी के घर से अपने घर पहुंचते तो बात–बात पर सुनना पड़ता– नानी का घर समझ रखा है क्या। आज सब बदल गया। अब बच्चे नानी के घर जाते कम हैं, इंस्टाग्राम रील ज्यादा बनाते हैं। पहले नानी के घर से लौटते समय आंसू निकलते थे। अब बच्चे पूछते हैं– नानी, आपका वाईफाई इतना स्लो क्यों है? सबसे दुख की बात ये है कि अब नानी के घर रिश्ते कम, फोटो ज्यादा बनती हैं। अब सब कुछ ऑनलाइन हो गया। वीडियो कॉल पर नानी मुस्कुरा देती है पर मोबाइल स्क्रीन कभी वो खुशबू नहीं दे सकती जो नानी के आंचल से आती थी। जिस पीढ़ी ने नानी की गोद खो दी, उसने बचपन का सबसे मुलायम तकिया खो दिया। नाना बैठे–बैठे आज भी यह सोचता होगा कि उसके घर को नाने का घर क्यूं नहीं कहते।

प्रकृति के बदलते मिजाज को लेकर गंभीरता जरूरी

उस हालत में भविष्य में दुनिया की आबादी का पेट भरने के लिए अन्य संसाधनों पर निर्भर होना पड़ेगा। आने वाले 24 वर्षों में भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, म्यांमार, मध्यपूर्व और उत्तरी अफ्रीका को इस चुनौती का भीषण सामना करना पड़ेगा। इन क्षेत्रों में सदी के अंत तक तापमान 50 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच जाएगा। इसका असर खाद्यान्न, पेयजल और प्राकृतिक संसाधनों पर पड़ेगा। नतीजन आम आदमी ...

पश्चिमी मॉडल पर आधारित विकास योजनाओं से पर्यावरण का संतुलन बिगड़ रहा है। कॉर्पोरेट दुनिया के स्वार्थ को बढ़ावा देने के चलते प्रदूषण बढ़ने से ग्लोबल वॉर्मिंग, जलस्रोतों व जंगलों का विनाश आदि समस्याएं बढ़ीं। जिनका असर जीवन व स्वास्थ्य पर हुआ। प्रकृति के उतार–चढ़ाव मानवता के लिए चेतावनी हैं। महात्मा गांधी ने वर्ष 1928 में ही उत्पादन और खपत के पश्चिमी मॉडल के चलते वैश्विक स्तर पर पर्यावरणीय असंतुलन की चेतावनी देते हुए कहा थाकृ 'ईश्वर कभी नहीं चाहता कि भारत कभी पश्चिम की तरह औद्योगिकीकरण अपनाए।' साथ ही कहा था कि 'एक छोटे से द्वीप साम्राज्य (इंग्लैंड) के आर्थिक साम्राज्यवाद ने आज दुनिया को जंजीरों से जकड़ रखा है। यदि तीस करोड़ की आबादी वाले देश ने ऐसा आर्थिक शोषण किया तो पूरी दुनिया टिड्डियों की तरह बेकार हो जाएगी।' गांधीजी का मानना था कि देश को आजादी के बाद गरीबी दूर करने और लोगों के सम्मानजनक जीवनयापन की दृष्टि से आर्थिक विकास करना ही होगा। ऐसे में भारत को अपने प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग में कहीं अधिक जिम्मेदारी दिखानी होगी और पर्यावरण को कम से कम नुकसान पहुंचाना होगा। दुखद है कि आजाद भारत की सरकारों ने गांधी के विचारों को पूरी तरह बिसरा दिया। परिणामस्वरूप, जहां मानव जीवन प्रभावित हुआ, वहीं संसाधनों पर कॉर्पोरेट घरानों के कब्जे से ग्रामीण और आदिवासी समाज बेदखली का शिकार हुआ। साथ ही औद्योगिक परियोजनाओं को प्रोत्साहन देने के कारण प्रदूषण की समस्या ने भयावह रूप ले लिया। इस तबाही के विरोध में देश में चिपको, नर्मदा और मछुआरों के आंदोलन सामने आए। इसके उपरांत देश में पर्यावरण मंत्रालय की स्थापना हुई और पारिस्थितिक नुकसान रोकने के लिए अनेक कानून बने। लेकिन सत्ता पर काबिज विभिन्न सरकारों ने समाज के व्यापक हित के बजाय निजी कॉर्पोरेट घरानों के हितों को सर्वोपरि मानकर उनके आगे झुकना उचित समझा। कॉर्पोरेट घरानों के निजी स्वार्थ के चलते प्रदूषित शहर, भयावह स्तर तक प्रदूषित वातावरण, मरती जीवनदायी नदियां, प्रदूषित जल, प्रदूषित वायु, गिरता भूजल स्तर, खत्म होते जलस्रोत व जंगल, प्रदूषित मिट्टी, बंजर होती जमीन आदि पर्यावरण विनाश और तबाही के स्पष्ट सबूत हैं। इसका सीधा असर मानव स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। इसके बावजूद यह सिलसिला बेरोकटोक जारी है। वैश्विक स्तर पर देखें तो बीस वर्ष पहले हम सालाना आठ अरब मीट्रिक टन कार्बन वायुमंडल में छोड़ रहे थे, जिसका आंकड़ा बढ़कर आज डेढ़ गुणा से भी अधिक हो गया। इसके कारण धरती का तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है। आज दुनिया में ग्लोबल वार्मिंग की चर्चा जोरों पर है। प्रकृति का मिजाज बदल रहा है, और इसमें जलवायु परिवर्तन ने अहम भूमिका निभाई है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के कार्यकारी निदेशक का कहना है कि दुनिया में ऊर्जा की जरूरत पूरी करने के लिए कोयला, तेल और गैस का अधिक इस्तेमाल हो रहा है। भारत के संदर्भ में ब्राउन टू ग्रीन रिपोर्ट के अनुसार जलवायु परिवर्तन रोकने के भारत के प्रयास अभी भी नाकाफी हैं। भारत ने 2030 तक ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन की तीव्रता में 33–35 प्रतिशत तक कमी लाने का ऐलान किया था, लेकिन पेरिस समझौते के मुताबिक डेढ़ डिग्री के लक्ष्य के हिसाब से यह पर्याप्त नहीं है। देश को विभिन्न क्षेत्रों के लिए अपने उत्सर्जन लक्ष्य नए सिरे से तय करने की आवश्यकता है, अन्यथा 2095 तक धरती का तापमान चार डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा। यदि कार्बन उत्सर्जन में कमी न आई तो जल संकट बढ़ेगा, बीमारियां बढ़ेंगी, खाद्यान्न उत्पादन में कमी आएगी, ध्रुवों की बर्फ तेज गति से पिघलेगी, समुद्र का जलस्तर तेजी से बढ़ेगा। नतीजन, दुनिया के कई देश पानी में डूब सकते हैं। समुद्र किनारे बसे सैकड़ों शहर–महानगर जलमग्न होंगे, और लगभग 20 लाख से अधिक प्रजातियां सदा–सदा के लिए खत्म हो जाएंगी। वहीं, सदियों से जीवन के आधार रहे खाद्य पदार्थों के पोषक तत्व कम हो जाएंगे। विशेष रूप से बी–1, बी–2, बी–5 और बी–8 जैसी विटामिनों में कमी आएगी। बीमारियों से बचाने वाले जैव रसायनों में भी कमी आने की संभावना है। यदि पृथ्वी का तापमान और अधिक बढ़ गया तो धरती का एक–चौथाई हिस्सा रेगिस्तान में तब्दील हो जाएगा। वहीं 20–30 प्रतिशत हिस्सा सूखे का शिकार होगा। नतीजतन, दुनियाभर में लगभग 150 करोड़ से अधिक लोग प्रभावित होंगे। जंगलों में आग की घटनाओं में बेतहाशा वृद्धि होगी। इसका सबसे ज्यादा असर भारत समेत दक्षिण–पूर्व एशिया, दक्षिण यूरोप, मध्य अमेरिका और दक्षिण ऑस्ट्रेलिया पर पड़ेगा। चौंकाने वाली बात यह कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते पहले बीते चार दशकों में कम हो चुकी उर्वरा शक्ति वाली जमीन की सेहत बिगड़ने की दर अब सौ गुणा बढ़ गई है।

त्रिभाषा विवाद के यक्ष प्रश्न व कोर्ट से उम्मीदें

{ भाषा संबंधी प्राथमिकताएं भी राज्यों के अनुसार भिन्न होती हैं। मध्य प्रदेश में अब तक केवल दो–भाषा प्रणाली ही लागू है, जिसका पालन राज्य बोर्ड और सीबीएसई दोनों स्कूलों द्वारा किया जाता है। अभिभावक इंतजार कर रहे हैं कि क्या इस साल कोई बदलाव होगा। देश के बाहर सीबीएसई स्कूलों के साथ भी ऐसा ही है। तीसरी भाषा के रूप में विदेशी भाषा का चयन किया जा सकता है, पर ... }

सुप्रीम कोर्ट ने गत 27 मई को सीबीएसई की उस नीति को चुनौती देने वाली याचिका पर विचार करने पर सहमति जताई है, जिसमें 1 जुलाई से कक्षा 9 के छात्रों के लिए दो भारतीय मूल भाषाओं सहित तीन भाषाओं का अध्ययन अनिवार्य किया गया है। नई शिक्षा नीति के तहत स्कूलों में भाषाओं के अध्ययन से जुड़े कुछ सबसे महत्वपूर्ण सवाल उच्चतम न्यायालय के सामने उठे हैं। इनके पीछे दक्षिण में हिंदी बनाम विदेशी भाषा के मसले भी हैं। अभिभावकों की व्यावहारिक समस्याएं, विद्यालयों के पास उपलब्ध संसाधनों और अध्यापकों की संख्या जैसे सवालों का पिटारा भी अब खुलेगा। सुप्रीम कोर्ट ने गत 27 मई को सीबीएसई की उस नीति को चुनौती देने वाली याचिका पर विचार करने पर सहमति जताई है, जिसमें 1 जुलाई से कक्षा 9 के छात्रों के लिए दो भारतीय मूल भाषाओं सहित तीन भाषाओं का अध्ययन अनिवार्य किया गया है। हालांकि, मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और विपुल एम पंचोली की पीठ ने इस मामले में कोई अंतरिम आदेश जारी नहीं किया है, पर उन्होंने केंद्र सरकार, सीबीएसई और एनसीईआरटी को नोटिस जारी करके दो सप्ताह के भीतर विस्तृत जवाब मांगा है। अदालत ने अलबत्ता यह कहा है कि बोर्ड का तीसरी भाषा को शामिल करने का निर्णय सिद्धांत रूप में 'प्रशंसनीय' हो सकता है, लेकिन इसे वर्तमान शैक्षणिक वर्ष से लागू करने में कुछ व्यावहारिक प्रश्न उठेंगे। शिक्षकों और पुस्तकों की कमी के मद्देनजर इस नीति को लागू करने की तार्किक और तथ्यात्मक चुनौतियों को लेकर अदालत अधिक चिंतित है। बहरहाल, न्यायालय 15 और 16 जुलाई को दलीलें सुनेगा। उसी समय इस आदेश को लागू किया जा रहा होगा। शैक्षिक–प्रश्न के अलावा यह राजनीतिक प्रश्न भी है। अपनी भाषा–नीति के अनुरूप डीएमके ने इस कदम का विरोध किया है, वहीं कांग्रेस ने बिना परामर्श के अधिसूचना जारी होने की आलोचना की है। दक्षिण भारत, खासतौर से तमिलनाडु में कहा जा रहा है कि सीबीएसई का यह आदेश हिंदी थोपने का प्रयास है। कुछ समय पहले, सीबीएसई ने घोषणा की थी कि तीसरी भाषा की अनिवार्यता को 2029–30 शैक्षणिक वर्ष तक स्थगित कर दिया जाएगा। यह अचानक बदलाव क्यों? एनईपी 2020, जिसके तहत यह आदेश लागू किया जा रहा है, लचीलेपन का वादा करती है। वह गारंटी देती है कि किसी भी छात्र या राज्य पर कोई भाषा थोपी नहीं जाएगी। दूसरी तरफ अभिभावक और शिक्षक बोर्ड परीक्षाओं से ठीक पहले छात्रों पर बढ़ते दबाव को लेकर चिंतित हैं। प्रशिक्षित भाषा शिक्षकों की कमी और उपयुक्त पाठ्य–पुस्तकों की अनुपलब्धता भी चुनौतियां हैं। इस आदेश के विरोधी यह भी कहते हैं कि इससे विदेशी भाषा की पढ़ाई करने के इच्छुक छात्रों का अहित होगा। कुछ छात्र पहले से ही फ्रेंच, जर्मन या जापानी जैसी विदेशी भाषाओं का अध्ययन कर रहे हैं। वहीं इस नीति के समर्थक कहते हैं कि स्कूली शिक्षा भारतीय भाषाओं से ऊपर विदेशी भाषाओं को रखना न तो तार्किक है और न ही लाभकारी। विदेशी भाषाओं को वैकल्पिक विषयों के रूप में पढ़ाया जा सकता है। भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देना, विदेशी भाषाओं को हतोत्साहित करना नहीं है। याचिकाकर्ताओं के वकील कपिल सिब्बल ने अदालत में कहा कि यह मुद्दा संघवाद और भाषा के चयन से जुड़े संवैधानिक अधिकारों से जुड़ा है। भाषा व्यक्तिगत पसंद का विषय है और इसे थोपा नहीं जा सकता। इस पर पीठ ने कहा कि इस तर्क को उलट कर यह कहा जा सकता है कि अधिक भाषाएं सीखना संघवाद की भावना को लाभ पहुंचाने का काम करेगा। 15 मई को जारी परिपत्र के अनुसार, विदेशी भाषा का चयन करने वाले छात्र दो भारतीय मूल भाषाओं का अध्ययन करने के बाद केवल तीसरी भाषा के रूप में या एक अतिरिक्त चौथी भाषा के रूप में ही ऐसा कर सकेंगे। यह नियम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और स्कूल शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यक्रम ढांचा 2023 का हिस्सा है। परिपत्र के अनुसार कक्षा 10 में तीसरी भाषा के लिए कोई बोर्ड परीक्षा नहीं होगी। 'आर3 (तीसरी भाषा) के सभी मूल्यांकन पूरी तरह से विद्यालय–आधारित और आंतरिक होंगे। इसका विवरण सीबीएसई प्रमाणपत्र में परिलक्षित होगा। इस नीति के आलोचक मानते हैं कि हिंदी भाषी राज्यों ने तीन–भाषा नीति के प्रति उदासीन रुख अपनाया है, जिनमें से ज्यादातर ने क्षेत्रीय भाषा के बजाय संस्कृत को चुना है। उत्तर प्रदेश, बिहार और राजस्थान में पहली भाषा अंग्रेजी, दूसरी हिंदी और तीसरी भाषा संस्कृत है। मध्य प्रदेश में अभी दो–भाषा नीति लागू है, जिसमें अंग्रेजी पहली भाषा और हिंदी दूसरी भाषा है। झारखंड में तीसरी भाषा मुख्य रूप से संस्कृत है, हालांकि कुछ स्कूलों में संथाली जैसी क्षेत्रीय भाषाएं भी पढ़ाई जाती हैं। इसी प्रकार, छत्तीसगढ़ में संस्कृत के साथ–साथ गोंडी जैसी क्षेत्रीय भाषा भी पढ़ाई जाती है। परेशानी उन अभिभावकों को होती है, जो एक शहर से दूसरे शहर में जाते हैं और उन्हें अपनी मन–पसंद की विदेशी भाषा पढ़ाने वाला स्कूल नहीं मिलता। मोटे तौर पर बहुसंख्यक गैर–हिंदी राज्यों में बच्चे अंग्रेजी और हिंदी के साथ तीसरी भाषा के रूप में अपनी मातृभाषा सीखते हैं। राज्यों के बोर्ड और सीबीएसई बोर्ड के पाठ्यक्रमों में टकराव होता है। यह दिक्कत केवल हिंदी क्षेत्रों में ही नहीं है। दक्षिण में भी है, जहां बच्चों को तीसरी भाषा के रूप में तमिल, कन्नड़, मलयालम या तेलुगु पढ़नी पड़ती है। इससे उन्हें दिक्कत होती है, जो कक्षा पांच से जिस तीसरी भाषा को पढ़ रहे होते हैं, उसे छोड़ना पड़ता है।

श्रीलंका की धमाकेदार शुरुआत! पहले वनडे में वेस्टइंडीज को 41 रन से रौंदा

सलामी बल्लेबाज पथुम निसंका और कप्तान कुसल मेंडिस की बेहतरीन अर्धशतकीय पारियों और तेज गेंदबाज दुशमंथा चमीरा की धारदार गेंदबाजी के दम पर श्रीलंका ने तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में वेस्टइंडीज को 41 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ ही श्रीलंकाई टीम ने सीरीज में 1–0 की महत्वपूर्ण बढ़त बना ली है। वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर श्रीलंका को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया था, जो उनके लिए भारी साबित हुआ।

निसंका और मेंडिस ने दूसरे विकेट के लिए 136 रन की साझेदारी की। उनके अलावा चरित असालंका ने 45 और जनिथ लियानागे ने नाबाद 44 रन का योगदान दिया जिससे श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करने के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद सात विकेट पर 303 रन बनाए।

इसके जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 49.2 ओवर में 262 रन पर आउट हो गई। उसकी तरफ से कप्तान शाई होप ने 66 गेंदों में 56 रन और सलामी बल्लेबाज जस्टिन ग्रीव्स ने 38 गेंदों में 45 रन बनाए, लेकिन यह लक्ष्य तक पहुंचने के लिए पर्याप्त नहीं थे। श्रीलंका की तरफ से तेज गेंदबाज दुशमंथा चमीरा ने 67 रन देकर चार विकेट लिए। तीन मैचों की श्रृंखला का दूसरा मैच शनिवार को किंग्स्टन में, जबकि तीसरा मैच सोमवार को सबीना पार्क में ही खेला जाएगा।

सीरीज का अगला शेड्यूलः इस जीत से श्रीलंका के हौसले बुलंद हैं, वहीं वेस्टइंडीज वापसी की फिराक में होगी। श्रृंखला का पूरा कार्यक्रम इस प्रकार है

दूसरा वनडेः शनिवार (किंग्स्टन में)

तीसरा वनडेः सोमवार (सबीना पार्क में) क्रिकेट फैंस को उम्मीद होगी कि अगले मुकाबले में वेस्टइंडीज की टीम श्रीलंका को कड़ी टक्कर देकर सीरीज को रोमांचक बनाएगी।

हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण अफगानिस्तान वनडे सीरीज से बाहर हुए विराट कोहली

भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों के लिए एक बेहद निराशाजनक खबर सामने आई है। भारतीय बल्लेबाजी के सुपरस्टार और पूर्व कप्तान विराट कोहली हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण सोमवार को अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली आगामी तीन मैचों की वनडे श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के एक विश्वसनीय सूत्र ने समाचार एजेंसी पीटीआई को इस बात की पुष्टि करते हुए कहा, कोहली हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे श्रृंखला से बाहर हो गए हैं।ष् दोनों देशों के बीच तीन मैचों की यह वनडे सीरीज 13 जून को धर्मशाला के खूबसूरत मैदान पर शुरू होने वाली है।

अपनी शानदार फिटनेस के लिए मशहूर 37 वर्षीय कोहली ने हाल ही में समाप्त हुए आईपीएल में शानदार प्रदर्शन किया था। आईपीएल में उनकी टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने लगातार दूसरी बार खिताब जीता था। कोहली ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ फाइनल में नाबाद अर्धशतक लगाया था। कोहली के बाहर हो जाने से आगामी वनडे श्रृंखला की चमक भी फीकी पड़ गई है।

भारत का यह पूर्व कप्तान अब केवल वनडे प्रारूप में ही खेलता है लेकिन अब भी वह दुनिया भर के क्रिकेट प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। अब यह देखना बाकी है कि रोहित शर्मा अफगानिस्तान के खिलाफ पूरी श्रृंखला के लिए उपलब्ध रहते हैं या नहीं। वह भी कोहली की तरह अब केवल वनडे प्रारूप में ही भारत की तरफ से खेलते हैं। आईपीएल के दौरान रोहित की हैमस्ट्रिंग में भी खिंचाव आ गया था और उन्हें कुछ मैच से बाहर रहना पड़ा था। उन्हें फिटनेस के आधार पर ही टीम में शामिल किया गया है।

टीम इंडिया में बड़े बदलाव की सुगबुगाहट! सूर्यकुमार यादव से छिन सकती है टी 20 की कप्तानी, श्रेयस अय्यर और तिलक वर्मा रेस में सबसे आगे

भारतीय क्रिकेट में इस समय एक बहुत बड़े प्रशासनिक और रणनीतिक बदलाव की तैयारी चल रही है। कड़े फैसले लेने के लिए मशहूर मुख्य कोच गौतम गंभीर और राष्ट्रीय चयन समिति अब एक बेहद चौंकाने वाला कदम उठाने जा रहे हैं। खबरों की मानें तो स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को भारतीय टी20 टीम की कप्तानी से हटाया जा सकता है। ब्रिटेन दौरे के लिए टीम का चयन होने से ठीक पहले इस बड़े फैसले के बारे में बीसीसीआई की शीर्ष परिषद को सूचित किया जा सकता है। उम्मीद है कि बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया इस बात की पूरी जानकारी परिषद को देंगे कि राष्ट्रीय चयनकर्ता और मुख्य कोच गौतम गंभीर इस फैसले पर एकमत हैं या नहीं। यह साफ है कि अगर सूर्यकुमार को कप्तानी से हटाया जाता है तो लगभग 18 महीनों तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने के कारण उन्हें टीम में एक खिलाड़ी के तौर पर भी नहीं रखा जाएगा।

बीसीसीआई के एक सूत्र ने बुधवार को पीटीआई से बताया, ''सूर्यकुमार को कप्तानी से हटाया जाना लगभग तय है। चयनकर्ता आईपीएल के आखिर तक इंतजार करना चाहते थे, ताकि यह देख सकें कि क्या वह अपनी पुरानी लय में लौट पाते हैं या नहीं। लेकिन, वह पूरी तरह से लय से बाहर दिखे। वह रन ही नहीं बना रहे थे बल्कि उनकी बल्लेबाजी में भी वह धार नहीं दिख रही थी। इसलिए अब एक कड़ा फैसला लेना जरूरी हो गया है।'' सूत्र ने कहा, ''चयनकर्ता उन्हें लंबी सूची से बाहर कर देंगे और उन्होंने संकेत दे दिया है कि सूर्यकुमार अब उनकी योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं।'' सूत्र ने कहा, ''श्रेयस अय्यर और तिलक वर्मा अगले टी20 कप्तान बनने के दावेदार हैं।''

हालांकि कप्तानी का चुनाव इतना सीधा नहीं है। जैसा कि पिछले सप्ताह पीटीआई ने बताया था कि कुछ विकल्प मौजूद हैं। सूर्यकुमार के बाहर होने के बाद श्रेयस अय्यर एक स्वाभाविक पसंद लगते हैं। लेकिन एक अप्रत्याशित विकल्प तिलक हो सकते हैं, जिनके बारे में चयन समिति के कई सदस्यों का मानना छ्है कि अपनी उम्र को देखते हुए वह एक आदर्श उम्मीदवार हैं। सूत्र ने कहा, ''तिलक को श्रीलंका में ए सीरीज के लिए कप्तान बनाया गया है, ताकि उनकी कप्तानी की काबिलियत को परखा जा सके।'' ऐसा समझा जाता है कि गंभीर को श्रेयस को लेकर कुछ आपत्तियां हैं जो 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान थे जब मौजूदा भारतीय मुख्य कोच टीम के मेंटोर थे। उस समय श्रेयस ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि उनकी काबिलियत को कम आंका जा रहा है और यह बात किसी की नजर से छिपी नहीं रही। सभी को पता है कि गंभीर की पहली पसंद संजू सैमसन हैं जिन्होंने टी20 विश्व कप के नॉकआउट चरण में शानदार प्रदर्शन किया था। लेकिन चयनकर्ताओं को इस बात का पूरा भरोसा नहीं है कि सैमसन या ईशान किशन में से कोई भी लंबे समय तक लगातार अच्छा प्रदर्शन कर पाएगा।

रोहित शर्मा का अफगानिस्तान वनडे सीरीज में खेलना संदिग्ध, चोट के चलते बाहर होने का खतरा!

आईपीएल 2026 के दौरान हैमस्ट्रिंग में चोट लगने के कारण भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा का अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज में खेलना संदिग्ध बना हुआ है। रोहित और हार्दिक पांड्या दोनों को वनडे टीम में शामिल किया गया था, लेकिन बीसीसीआई के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने स्पष्ट कर दिया है कि उनकी उपलब्धता पूरी तरह से उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगी। टीम में शामिल होने से पहले दोनों क्रिकेटरों को बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीईओ) में फिटनेस टेस्ट पास करना होगा। रोहित अभी तक बेंगलुरु स्थित सीई में नहीं पहुंचे हैं और रिपोर्ट के अनुसार, संभावना है कि वह सीरीज से बाहर रह सकते हैं।

इस साल नौ आईपीएल मैचों में रोहित ने 35.37 के औसत और 1576.22 के स्ट्राइक रेट से 283 रन बनाए हैं, जिनमें दो अर्धशतक और 84 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है। हालांकि, 39 वर्षीय रोहित अब सिर्फ वनडे ही खेलते हैं। उन्होंने 2024 में कप्तान के रूप में टी20 विश्व कप जीतने के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया और पिछले साल मई में आईसीसी विश्व टेस्ट चौंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025–27 चक्र से पहले टेस्ट क्रिकेट से भी संन्यास ले लिया।

वनडे कप्तान के रूप में उनका आखिरी असाइनमेंट मार्च 2025 में आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी जीतना था, जिसमें फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 76 रनों की निर्णायक पारी शामिल थी। उन्होंने पिछले साल 14 मैचों और पारियों में 50.00 के औसत और 100.46 के स्ट्राइक रेट से 650 रन बनाकर भारत के दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी के रूप में अपना करियर समाप्त किया, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 121' था। हालांकि, इस साल की शुरुआत में न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत के लिए खेले गए उनके आखिरी वनडे मैच में उन्होंने तीन पारियों में सिर्फ 61 रन बनाए, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 25 था। वहीं दूसरी ओर, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्रों के अनुसार, विराट कोहली हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। अहमदाबाद में गुजरात टाइटन्स (जीटी) के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के फाइनल के आखिरी चरणों में विराट कोहली को दौड़ते समय संघर्ष करते देखा गया, लेकिन उन्होंने रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 156 रनों के मुश्किल लक्ष्य का पीछा करने में 42 गेंदों में 75' रन बनाकर जीत दिलाई।

भारत को ऑफर देकर रूस भरेगा एसयू –57 की पहली सफल उड़ान, पेंटागन से लेकर बीजिंग तक सब हैरान!

दुनिया के हथियारों के बाजार में इस वक्त खलबली मची है। रूस जो पहले से ही यूक्रेन युद्ध और पश्चिमी प्रतिबंधों का सामना कर रहा है। उसने एक ऐसा दांव चला है जिसने पेंटागन से लेकर बीजिंग तक सबके कान खड़े कर दिए हैं।

रूस की दिग्गज कंपनी यूनाइटेड एयरक्राफ्ट कॉरपोरेशन यानी यूएसी के सीईओ वादिम बड़े खान ने आधिकारिक पुष्टि कर दी है कि रूस के दूसरे स्टील फाइटर जेट एसयू 75 चेकमेट के पहले उड़ान प्रोटोटाइप का काम शुरू हो चुका है। यह सिर्फ एक विमान नहीं बल्कि पुतिन का वो चेकमेट है जिसे खासतौर पर अमेरिका के F35 और चीन के J20 को टक्कर देने के लिए डिजाइन किया गया है। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह विमान वाकई तय समय पर आसमान में उड़ान भरेगा और सबसे बड़ी बात भारत के लिए इसमें क्या छिपा है?

दरअसल जुलाई 2021 में जब पहली बार मॉस्को एयर शो में एक ढके हुए विमान से पर्दा उठा तो दुनिया दंग रह गई। रूस ने एक ऐसा फाइटर जेट पेश किया था जो सिंगल इंजन का था। बेहद आधुनिक था और जिसका नाम रखा गया चेकमेट। रूस के पास पहले से ही एसयू 57 जैसा भारी और दोहरे इंजन वाला पांचवी पीढ़ी का विमान मौजूद है। लेकिन एसयू 75 को रूस ने लाइट टैक्टिकल एयरक्राफ्ट के तौर पर पेश किया। हालांकि साल 2021 के बाद से यह प्रोजेक्ट कई मुश्किलों में फंस गया। पहले इसकी उड़ान 2023 में होनी थी, लेकिन अब इसके 2027 तक आसमान में पहुंचने की उम्मीद है। ताजा रिपोर्ट बताती है कि साल 2021 में जो मॉडल हमने देखा था असली प्रोटोटाइप उससे काफी अलग होने वाला है। रूस ने एसयू 57 को बनाने के दौरान जो कड़वे सबक सीखे और जो तकनीक विकसित की उसे अब एसयू 75 में डाल दिया जा रहा है। इसके विंग डिजाइन और टेल यानी पूंछ के हिस्से में बड़े बदलाव किए गए हैं ताकि इसकी स्टील क्षमता यानी रडार से बचने की ताकत को और बेहतर बनाया जा सके।

एसयू 75 की सबसे बड़ी खासियत इसका ओपन आर्किटेक्चर है। इसका मतलब है कि खरीदार देश अपनी जरूरत के हिसाब से इसमें बदलाव कर सकता है। इसमें एक एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पायलट असिस्टेंट सिस्टम दिया गया है। यह युद्ध के दौरान पायलट के तनाव को कम करता है और एक को पायलट की तरह काम करता है। जैसे अमेरिका के पास भारी F2 और हल्का F35 है, वैसे ही रूस अब एसयू 57 और एसयू 75 की जोड़ी बना रहा है। यह इंजन हथियार और एवियनिक्स के मामले में एसयू 57 का ही छोटा लेकिन फुर्तीला वर्जन है। यह विमान अपने अंदरूनी वेपन बे में कई तरह की मिसाइलें ले जा सकता है। जिससे रडार पर इसकी पहचान करना लगभग नामुमकिन हो जाता है।

अपनी चीजें अपने पास रखिए, मैं किसी और को बेच दूंगा... चीन का मिला साथ तो लूला ने ट्रंप को दिया करारा जवाब

लैटिन अमेरिका से लेकर वॉशिंगटन और बीजिंग तक फैली वैश्विक कूटनीति के बीच एक नया और बेहद तीखा मोड़ आ गया है। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा ने अमेरिका के सख्त रवैये के खिलाफ सीधा मोर्चा खोलते हुए बीजिंग (चीन) के साथ अपने नए व्यापारिक गठबंधन का खुलकर जश्न मनाया है। हाल ही में चीन ने ब्राजील को श्फुट–एंड–माउथश रोग से मुक्त देश के रूप में आधिकारिक मान्यता दे दी है। चीन के इस फैसले की सराहना करते हुए राष्ट्रपति लूला ने इसे सीधे तौर पर अमेरिका की मनमानी का करारा जवाब बताया है। गोइयास राज्य में आयोजित एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान वामपंथी नेता लूला का अंदाज बेहद आक्रामक और बेबाक नजर आया। अमेरिकी व्यापारिक दबाव को पूरी तरह खारिज करते हुए लूला ने मंच से दो टूक कहा कि अगर आप (अमेरिका) हमसे सामान नहीं खरीदना चाहते, तो कोई बात नहीं। मैं इसे किसी और को बेच दूंगा।

लूला ने खुलासा किया कि हाल ही में अमेरिका और ब्राजील के व्यापार वार्ताकारों के बीच तीन बार उच्च स्तरीय मुलाकातें हुईं, लेकिन अमेरिकी टैरिफ (आयात शुल्क) के कड़े प्रस्तावों के चलते दोनों देश किसी भी समझौते पर नहीं पहुंच सके। लूला के इस बयान से साफ है कि ब्राजील अब आर्थिक मोर्चे पर सुपरपावर अमेरिका के सामने झुकने को तैयार नहीं है।

अमेरिकी विदेश मंत्री पर फूटा गुस्साः अपनी इस कहानी में राष्ट्रपति लूला ने न सिर्फ बाहरी बल्कि घरेलू विरोधियों को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने ब्राजील के दक्षिणपंथी सीनेटर फ्लेवियो बोल्सोनारो पर बेहद गंभीर आरोप लगाए। लूला ने कहा कि बोल्सोनारो ने खुद वाशिंगटन पर इस बात का दबाव बनाया कि वे ब्राजील पर भारी टैरिफ लागू करें। इसके साथ ही लूला के निशाने पर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो भी रहे। रुबियो की तीखी आलोचना करते हुए लूला ने उन्हें सीधे तौर पर श्लैटिन अमेरिका विरोधीश करार दिया और कहा कि वे ब्राजील को बिल्कुल पसंद नहीं करते हैं। बोल्सोनारो की सफाई और दूतावास का सन्नाटाः दूसरी तरफ, आरोपों से घिरे फ्लेवियो बोल्सोनारो ने इस पूरे विवाद पर अपनी सफाई पेश की है। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने खुद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात कर यह आग्रह किया था कि वे ब्राजील की कंपनियों पर किसी भी तरह का दंडात्मक टैरिफ न लगाएं। हालांकि, लूला के इस तीखे और कड़े बयानों के बाद कूटनीतिक गलियारों में हलचल तेज है, लेकिन ब्राजील स्थित अमेरिकी दूतावास ने इस पूरे मामले और टिप्पणी के अनुरोध पर फिलहाल पूरी तरह चुप्पी साध रखी है। चीन की इस नई मान्यता ने ब्राजील को एक बड़ा बाजार और अमेरिका के खिलाफ मजबूत कूटनीतिक ढाल दे दी है, जिसने ग्लोबल ट्रेड वॉर को और ज्यादा दिलचस्प बना दिया है।

हत्या के दोषियों पर कार्रवाई के लिए ज्ञापन सौंपा

जौनपुर। गाजियाबाद में बीते बकरीद के दिन सूर्या चौहान की हुई निर्मम हत्या से को लेकर अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल सहित संगठन के सभी आयामों के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री के नाम सम्बोधित मांगों का ज्ञापन जिलाधिकारी के प्रतिनिधि के रूप में मौजूद सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा। इस मौके पर जितेन्द्र बहादुर सिंह जिलाध्यक्ष राबद ने कहा कि इस प्रकरण में उत्तर प्रदेश पुलिस ने त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही करते हुये मुख्य आरोपी के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जिसके लिये उत्तर प्रदेश पुलिस का धन्यवाद है। इस हत्या में शामिल शेष सभी आरोपियों सहित इस अपराध के षड्यंत्र में सम्मिलित सभी की पहचान करके उनके विरुद्ध कठोरतम कानूनी कार्यवाही की जाय, ताकि भविष्य में कोई भी ऐसी घटना को अंजाम देने का साहस न कर सके। कहा कि समाज की भावना है कि निर्दोष युवक की हत्या करने वाले तथा इस अपराध की योजना बनाने वाले सभी को उनके अपराध के अनुरूप कड़ा दण्ड मिले और पीड़ित परिवार को पूर्ण न्याय प्राप्त हो। डा. वीरेन्द्र प्रताप सिंह प्रान्त कार्याध्यक्ष, प्रभाकर तिवारी प्रान्त उपाध्यक्ष हिन्दू एडवोकेट फोरम, अजय पाण्डेय जिलाध्यक्ष अहिप, कृष्ण कुमार उपाध्याय, जयेश सिंह, मंजीत सिंह चौहान, सचिन श्रीवास्तव जिला मंत्री, अरुण शुक्ल, रुद्र प्रताप श्रीवास्तव, आदि मौजूद रहे।

प्रदेश में कोई भी सुरक्षित नहीः अजय राय

जौनपुर। लखनऊ शहर में जौनपुर के युवा उद्यमी संदीप सिंह की हत्या से जौनपुर जिले का सियासी पारा गर्म रहा। कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय पार्टी कार्यकर्ताओं साथ टेकारी गांव पहुंच दिवंगत संदीप सिंह के परिजनों से मिलकर ढांढस बंधाते हुए शोक संवेदना व्यक्त की। अपराधियों द्वारा दिनदहाड़े राजधानी लखनऊ में मारे गये संदीप सिंह के भाई सतीश सिंह, पुत्र सार्थक सिंह एवं पुत्री से मिलकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने उन्हें हर संभव मदद का आश्वासन देते हुए न्याय की लड़ाई में परिजनों के साथ पूरी कांग्रेस पार्टी द्वारा मदद का भरोसा दिया। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि उत्तर प्रदेश में हर तरफ जहर फैल गया है, सरकार की कानून व्यवस्था पूरी तरह से चौपट हो गयी है, कोई भी सुरक्षित नहीं है।

श्रावस्ती पुलिस के डायल-112 बेड़े में शामिल हुई नई पीआरवी स्कॉर्पियो व दोपहिया वाहन

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। आमजन की सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा आपात स्थितियों में त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश

शासन द्वारा जनपद श्रावस्ती को 02 नई पीआरवी स्कॉर्पियो एवं 04 दोपहिया वाहन उपलब्ध कराए गए हैं। गुरुवार को पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी एवं क्षेत्राधिकारी भिनगा भरत पासवान ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय परिसर से इन वाहनों को हरी झंडी दिखाकर विभिन्न थाना क्षेत्रों के लिए रवाना किया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि नवीन पीआरवी वाहन जनपद के सभी थाना क्षेत्रों में सतर्क निगरानी, प्रभावी गश्त तथा नागरिकों को त्वरित सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से संचालित किए जाएंगे। ये वाहन जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम, वायरलेस संचार व्यवस्था, बॉडी वॉर्न कैमरा, मोबाइल डाटा टर्मिनल (एमडीटी) तथा सीयूजी मोबाइल फोन जैसी अत्याधुनिक तकनीकों से लैस हैं, जिससे पुलिस की प्रतिक्रिया क्षमता और पारदर्शिता में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त वाहनों में मेडिकल किट सहित अन्य आवश्यक सुरक्षा उपकरण भी उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे सड़क दुर्घटनाओं, प्राकृतिक आपदाओं एवं अन्य आकस्मिक परिस्थितियों में पुलिसकर्मी आमजन को तत्काल प्राथमिक उपचार और आवश्यक सहायता प्रदान कर सकेंगे। नई पीआरवी स्कॉर्पियो एवं दोपहिया वाहनों के शामिल होने से डायल-112 सेवा और अधिक प्रभावी होगी तथा जनपदवासियों को समयबद्ध एवं बेहतर पुलिस सहायता मिल सकेगी।यह संस्करण समाचार पत्र प्रकाशन शैली के अनुरूप तैयार किया गया है।

न्याय न मिला तो गांव से ही उजड़ जाना पड़ेगा, एसपी से जबरिया जमीन से कब्जा हटवाने की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। दुबौलिया थाना क्षेत्र के हेंगापुर निवासिनी दलित मालती देवी पत्नी शोभानाथ ने

पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर अपने छप्परवाले घर को गांव के ही दबंगों से बचाने की गुहार लगाया है। मालती देवी के अनुसार न्याय न मिल तो उसे गांव से ही उजड़ जाना पड़ेगा। मालती लगातार प्रार्थना पत्र देकर थक चुकी है। उसके पति परदेश में हैं और अब उसे डर सता रहा है कि दबंग उसे गांव से बाहर जाने को मजबूर न कर दें। एसपी को दिये पत्र में मालती देवी ने कहा है कि वह गाटा संख्या 729 में छप्परपोश मकान और सहन बनाकर रह रही है। गांव के ही अभिलाष यादव, बाबूलाल, शिवलाल और इनके घर की औरते उसके मकान और सहन पर जबरिया कब्जा करते चले आ रहे हैं। विरोध करने पर मारते पीटने के साथ ही जान से मार देने की धमकी देते हैं। यदि उसके मकान और सहन की जमीन पर कब्जा जारी रहा तो मजबूरन उसे गांव से ही उजड़ जाना पड़ेगा। उसने दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग करते हुये कहा है कि उसके जमीन से जबरिया कब्जा हटवाया जाय।

मोबाइल टावर पर चढ़ा युवक, पत्नी-बच्चे न मिलने पर जान देने की धमकी

दैनिक बुद्ध का संदेश

संत कबीर नगर। मेंहदावल नगर क्षेत्र में स्थित नगर सरकारी बैंक के पास लगे

एक मोबाइल टावर पर एक युवक जान देने की धमकी देते हुए चढ़ गया। सूरज पटेल नामक यह युवक, जो बिहार के औरंगाबाद जिले के हंसापुर थाना अंतर्गत सिंहाडी गांव का निवासी है, अपनी पत्नी और बच्चे के न मिलने से परेशान होकर यह कदम उठा रहा था। इस घटना के कारण मौके पर भारी संख्या में लोग जमा हो गए और अफरा-तफरी मच गई, साथ ही कई लोग इस वाकये का वीडियो बना रहे थे।घटना की सूचना मिलने पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुँची और युवक की समझाइश के बाद, युवक आखिरकार टावर से नीचे उतर गया। इसके बाद पुलिस युवक को मोबाइल पर बातचीत कर समझाने का प्रयास किया। पुलिस और स्थानीय पत्रकारों को थाने ले गई। इस दौरान, पुलिस के पहुँचने पर जमा भीड़ को हटाया गया।

फालोवर्स को बढ़ाने के लिए यूट्यूबर अनर्गल व अनाप-शनाप कर रहे कार्य, दर्ज हुआ मुकदमा

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद में जैसे यूट्यूबर की बाढ सी आ गई है तथा इनके द्वारा

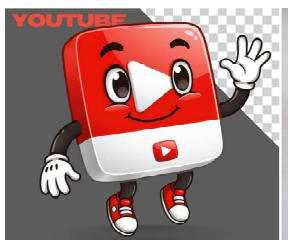

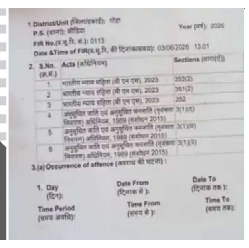

फालोवर्स को बढ़ाने के लिए अनर्गल व अनाप-शनाप बोलने तथा लिखने के कारण कहीं न कहीं कानूनी कार्यवाही हो ही जाती है।ऐसा ही मामला इस समय बहुत चर्चा में है जिसके मुताबिक पल्लवी शुक्ला के खिलाफ दंगा भड़काने और सामाजिक सौहार्द बिगड़ना को लेकर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।उन पर नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद,मुस्लिम समाज,यादव समाज और अनुसूचित जाति के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने और गाली-गलौज करने का आरोप है।यह मामला कौड़िया थाना क्षेत्र के बौनापुर गांव की रहने वाली पल्लवी शुक्ला से जुड़ा है।कौड़िया थाने में तैनात उप निरीक्षक शेषनाथ पांडेय ने पल्लवी शुक्ला के खिलाफ छह गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज कराई है।पुलिस ने मुकदमा दर्ज करने के बाद उनकी तलाश तेज कर दी है।आरोप है कि पल्लवी शुक्ला ने एक यूट्यूबर को दिए इंटरव्यू में चंद्रशेखर आजाद को जूते-चप्पलों से मारने की धमकी दी थी और अभद्र भाषा का प्रयोग किया था।वीडियो में पल्लवी शुक्ला पर मां-बहन की भद्दी गालियां देने और अनुसूचित जाति व यादव समाज के लिए आपत्तिजनक जाति सूचक शब्दों का इस्तेमाल करने का भी आरोप है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद भीम आर्मी संगठन, मुस्लिम समाज, अनुसूचित जाति समाज और यादव समाज के लोगों द्वारा लगातार कार्रवाई की मांग की जा रही।उप निरीक्षक शेषनाथ पांडेय ने अपनी शिकायत में बताया कि पल्लवी शुक्ला के बयानों से विभिन्न जातियों के बीच आपसी वैमनस्यता, घृणा और द्वेष भावना फैलाने का प्रयास किया गया है, जिससे सामाजिक उन्माद और दंगा भड़कने की आशंका है।इस पूरे मामले की जांच सीओ करनैलगंज अभिषेक को सौंपी गई है।कौड़िया थाना अध्यक्ष जितेंद्र सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है। सभी समाज के लोगों को आश्वासन दिया गया की कठोर कार्रवाई की जाएगी किसी की भावनाओं को हाथ नहीं होने दिया जाएगा।

अनियमितता और धन मांगने का डीएलए पर आरोप,डीएम को दिया ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद में मेडिकल लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं।यूथ फार्मासिस्ट फाउंडेशन के अध्यक्ष रोहित मिश्रा की ओर से डीएम को प्रेषित शिकायत पत्र में डीएलए कार्यालय पर अनुज्ञा आवेदन के निस्तारण में अनियमितता एवं कथित धन मांगने का आरोप लगाया गया है।शिकायतकर्ता आलोक यादव ने बताया कि उन्होंने अपने प्रतिष्ठान ष्मां शांति मेडिकल स्टोरष् के लिए 8 अप्रैल को ऑनलाइन आवेदन किया था। आरोप है कि 22 अप्रैल को आवेदन में संशोधन के लिए वापस किया गया, जबकि संशोधन की निर्धारित अवधि 60 दिन थी।शिकायत के अनुसार 22 मई को संशोधित आवेदन जमा करने के बावजूद 27 मई को यह कहते हुए पुनः अस्वीकृत कर दिया गया कि आवेदन संशोधन अवधि के बाद जमा किया गया है।शिकायती पत्र में यह भी आरोप लगाया गया है कि कार्यालय के एक नोटिस नंबर पर संपर्क करने के बाद संबंधित व्यक्ति द्वारा 30 हजार रुपये की मांग की गई। आरोप है कि शिकायतकर्ता ने गूगल पे के माध्यम से 10 हजार रुपये भेज भी दिए, लेकिन शेष 20 हजार रुपये न देने पर आवेदन निरस्त कर दिया गया।यूथ फार्मासिस्ट फाउंडेशन ने डीएम से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराए जाने तथा दोषी पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों एवं व्यक्तियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की मांग की है।संगठन के पदाधिकारियों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच होने पर लाइसेंस प्रक्रिया में व्याप्त कथित अनियमितताओं का खुलासा हो सकता है।

जरवल रोड में टला बड़ा हादसा, बाइक सवार को बचाने में अनियंत्रित हुआ आलू लदा पिकअप वाहन

दैनिक बुद्ध का संदेश

जरवल रोड/बहराइच। चीनी मिल मार्ग से जरवल

कस्बे की ओर जा रहा आलू लदा छोटा हाथी पिकअप वाहन नया पूर्वा स्थित तालाब के पास बाइक सवार को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित हो गया। वाहन सड़क किनारे पेड़ के पास जाकर रुक गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार चालक ने सामने आए बाइक सवार को बचाने के लिए अचानक वाहन मोड़ा, जिसके चलते पिकअप का संतुलन बिगड़ गया। हालांकि चालक की सूझबूझ से वाहन पलटने से बच गया। राहगीर नदीम अंसारी ने बताया कि घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल मदद पहुंचाई और ट्रैक्टर की सहायता से वाहन को सुरक्षित बाहर निकाला गया। राहत की बात यह रही कि चालक समेत वाहन में सवार सभी लोग पूरी तरह सुरक्षित रहे और किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क संकरी होने और भारी वाहनों की आवाजाही के कारण इस मार्ग पर अक्सर दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। लोगों ने प्रशासन से सड़क सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है।

विदेश राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने अस्पतालों का दौरा कर घायलों से की मुलाकात

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। विदेश राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने नई दिल्ली के मालवीय नगर में हुए दुखद अग्निकांड में घायल लोगों, जिनमें कई विदेशी नागरिक भी शामिल हैं,हालचाल जानने के लिए साकेत स्थित मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल तथा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) का दौरा किया।अस्पताल में भर्ती पीड़ितों से मुलाकात के बाद उन्होंने कहा कि वह सभी उपचाराधीन घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। साथ ही जिन परिवारों ने इस हादसे में अपने प्रियजनों को खोया है,उनके प्रति उन्होंने गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि विदेश मंत्रालय संबंधित दूतावासों के साथ लगातार संपर्क में है और प्रभावित विदेशी नागरिकों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।उन्होंने डॉक्टरों, नर्सों तथा अस्पताल के कर्मचारियों के समर्पित प्रयासों की सराहना करते हुए

कहा कि उनकी समय पर और उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाओं के कारण अनेक लोगों की जान बचाई जा सकी है तथा घायलों का प्रभावी उपचार सुनिश्चित हो रहा है।श्री सिंह ने कहा कि हमारे जांबाज पुलिसकर्मियों ने अपनी जान की परवाह किए बिना आग में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने का साहसिक कार्य किया।सरकार उनकी देखभाल और आवश्यक सहायता सुनिश्चित करने के लिए भी पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में भर्ती लोगों में बांग्लादेश,नेपाल, अफ्रीकी देशों तथा भारत के नागरिक शामिल हैं।उन्होंने स्वयं अस्पताल में भर्ती पीड़ितों से मुलाकात की है और सरकार उनकी समुचित चिकित्सा एवं देखभाल के लिए लगातार प्रयासरत है।इस कष्टदायक समय में उन्होंने स्थानीय विधायक सतीश उपाध्याय तथा भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा राहत एवं बचाव कार्यों में दी गई त्वरित सहायता के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रभावित लोगों तक तत्काल मदद पहुंचाने और राहत कार्यों को गति देने में उनका योगदान महत्वपूर्ण रहा है।उल्लेखनीय है कि इस अग्निकांड में जान गंवाने वाले प्रत्येक मृतक के निकटतम परिजन को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि प्रदान की जाएगी, जबकि घायलों को 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

नाबालिग के साथ अप्रा.तिक दुष्कर्म के दो आरोपी गिरतार, तीसरे की तलाश

दैनिक बुद्ध का संदेश

उतरौला/बलरामपुर। नाबालिग के साथ अप्रा.तिक दुष्कर्म करने वाले तीन आरोपियों में से दो को पुलिस ने गिरतार कर लिया है। सादुल्लाह नगर थाना क्षेत्र के रानीपुर गांव निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया था कि दो जून की शाम लगभग आठ बजे जब उसका नाबालिग पुत्र गांव में एक बर्थडे कार्यक्रम में गया था तो कोल्ड ड्रिंक पिलाने के बहाने गांव के ही मोहम्मद फरहान, अब्दुल जाहिद व अफसर रजा ने सुनसान जगह पर ले जाकर डरा धमकाकर दुष्कर्म किया। मुंह खोलने पर उसे जान से मारने की धमकियां दीं। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध पोक्सो एक्ट समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था।एएसपी विशाल पांडेय ने बताया कि दो अभियुक्तों को गिरतार कर लिया गया है तीसरे की तलाश की जा रही है।

अहिरौला कांड के आरोपी के कब्जे से खाली कराई गई नवीन परती की भूमि

दैनिक बुद्ध का संदेश

उतरौला/बलरामपुर। अहिरौला गांव निवासी धनराज मौर्य के हत्याकांड के आरोपितों में से एक वारिस अली निवासी पिपरा राम

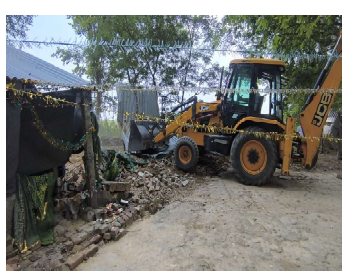

द्वारा कब्जा कर हथियाई गई जमीन को गुरुवार को प्रशासन ने जेसीबी से खाली करा लिया। बस्ती-बलरामपुर राजमार्ग पर पिपरा राम गाँव में नवीन परती की साढ़े तीन डेसीमल जमीन पर आरोपी ने अस्थाई रूप से ईंटों की दीवार उठाकर टीन शेड डालकर कब्जा कर अवैध मजार बना रखी थी। वहां बैठकर झाड़ फूंक और दुआ ताबीज का कारोबार करता था। तहसीलदार के नेतृत्व में राजस्व टीम व पुलिस बल ने कार्रवाई कर जमीन को खाली कराया. तहसीलदार ने बताया कि खाली जमीन पर पुलिस चौकी बनाने का प्रस्ताव भेजा जाएगा। इस दौरान राजस्व निरीक्षक वीरेंद्र भट्ट, संदीप कुमार, थानाध्यक्ष राजीव मिश्र भारी पुलिस बल के साथ मौजूद रहे।

तेज रफ्तार ट्रक ने साइकिल सवार बुजुर्ग को रौंदा, मौके पर मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जिले के खैरीघाट थाना क्षेत्र अंतर्गत बेहड़ा बाजार में मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार ट्रक ने साइकिल से जा रहे एक बुजुर्ग को कुचल

दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा इतना भीषण था कि बुजुर्ग ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही खैरीघाट पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और अन्य साक्ष्यों के आधार पर फरार ट्रक एवं चालक की तलाश में जुटी है। वहीं हादसे की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। स्थानीय लोगों ने बेहड़ा बाजार में बढ़ती तेज रफ्तार वाहनों की आवाजाही पर चिंता जताते हुए प्रशासन से सड़क सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सीएचसी कैसरगंज को मिले नये अधीक्षक, डॉ. बी.डी. वर्मा ने संभाला कार्यभार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) कैसरगंज को नया अधीक्षक मिलने पर स्वास्थ्य विभाग और क्षेत्रीय लोगों में उत्साह का माहौल है। वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. बी.डी. वर्मा ने सीएचसी कैसरगंज के अधीक्षक पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। डॉ. वर्मा लंबे समय से ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े रहे हैं और अपनी सेवा भावना, मरीजों के प्रति संवेदनशील व्यवहार तथा कर्तव्यनिष्ठ कार्यशैली के लिए जाने जाते हैं। विभिन्न क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करते हुए उन्होंने लोगों का भरोसा हासिल किया है। कार्यभार ग्रहण करने के

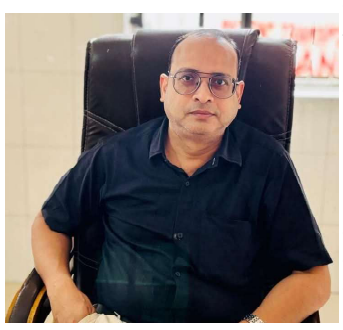

बाद उन्होंने अस्पताल की साफ-सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने, आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने, कर्मचारियों की समयबद्ध उपस्थिति बनाए रखने तथा आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल किया है। इस अवसर पर डॉ. वर्मा ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा केवल उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि मरीजों को विश्वास, सम्मान और अपनापन देना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने अस्पताल में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए टीम भावना के साथ कार्य करने की प्रतिबद्धता जताई। क्षेत्रीय लोगों और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को उम्मीद है कि उनके नेतृत्व में सीएचसी कैसरगंज में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, चिकित्सकों की उपलब्धता और मरीजों की सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिलेगा। ग्रामीण क्षेत्र के लिए उनकी नियुक्ति को स्वास्थ्य व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

जियो यूजर्स का फूटा गुस्सा, नेटवर्क समस्या से कॉलिंग और इंटरनेट सेवा प्रभावित

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। बलरामपुर जिले में कई महीनों से जियो नेटवर्क की समस्याओं से उपभोक्ता परेशान हैं। उपभोक्ताओं का आरोप है कि कंपनी बेहतर और तेज 5ळ सेवा देने का दावा करती है, लेकिन जमीनी स्तर पर नेटवर्क की स्थिति संतोषजनक नहीं है। लोगों का कहना है कि 5ळ डेटा पैक होने के बावजूद डेटा तेजी से समाप्त हो जाता है और कई बार इंटरनेट 5ळ की बजाय 4ळ या उससे कम स्पीड पर काम करता है। उपभोक्ताओं का यह भी आरोप है कि नेटवर्क बाधित होने, इंटरनेट की धीमी गति और कॉल संबंधी समस्याओं को लेकर 198 पर शिकायत दर्ज कराने के बाद भी कोई स्थायी समाधान नहीं मिलता। कस्टमर केयर द्वारा जल्द समस्या दूर करने का आश्वासन दिया जाता है, लेकिन स्थिति में सुधार नहीं दिखता। लगातार आ रही इन तकनीकी समस्याओं के कारण ऑनलाइन पढ़ाई, डिजिटल भुगतान, कार्यालयी कार्य और अन्य इंटरनेट आधारित सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। उपभोक्ताओं ने कंपनी से नेटवर्क गुणवत्ता में सुधार और शिकायतों के त्वरित समाधान की मांग की है।

अटल आवासीय विद्यालय से युवाओं के सपनों को मिल रही उड़ान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार द्वारा मीरजापुर मंडल के सोनभद्र जिले के गुरमुरा में संचालित अटल आवासीय विद्यालय युवाओं के सपने साकार करने का माध्यम बन रहा है। यहां मंडल के पंजी.त निर्माण श्रमिकों के बच्चों को सीबीएसई पैटर्न पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जा रही है। इससे निराश्रित और गरीब परिवार के बच्चों के सपनों को एक नई उड़ान मिली है। उनके भीतर उज्ज्वल भविष्य को लेकर आत्मविश्वास भी जागा है। प्रधानाचार्य बिनोद कुमार मंडल ने बताया कि शिक्षण सत्र 2026–27 के लिए कक्षा 6 में अब तक 160 सीटों के सापेक्ष 150 छात्रों का प्रवेश लिया जा चुका है जबकि कक्षा 9 में 64 सीटों के सापेक्ष 54 छात्रों ने अभी तक प्रवेश लिया है। वर्तमान में 820 छात्र–छात्राएं अध्ययनरत हैं। उन्होंने बताया कि आधुनिक युग में छात्रों को अधिक से अधिक तकनीकी रूप से दक्ष बनाया जा सके इसके लिए योगी सरकार इस विद्यालय में बच्चों को आईटी और कम्प्यूटर साइंस की शिक्षा प्रदान करने पर विशेष ध्यान दे रही है। इस वर्ष 2026–27 में शुरू होने जा रहे ग्यारहवीं कक्षा में कम्प्यूटर साइंस का विषय विकल्प के रूप में उपलब्ध कराया जाएगा। कम्प्यूटर शिक्षण के लिए विद्यालय में पीजीटी कम्प्यूटर शिक्षक का पद सृजित किया गया है। विद्यालय में बच्चों को गुणवत्तापरक शिक्षा के साथ–साथ उनके सर्वांगीण विकास के लिए योगा, शारीरिक व्यायाम व खेलकूद की भी सुविधा सुनिश्चित की गई है।

108 छात्रों ने 10वीं की परीक्षा की है उत्तीर्ण

प्रधानाचार्य ने बताया कि वर्ष 2025–26 में हाईस्कूल के प्रथम बैच के 118 छात्रों में से 108 छात्रों ने परीक्षा उत्तीर्ण कीं। छात्र अमित कुमार ने सर्वाधिक 83 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। 82.20 प्रतिशत अंकों के साथ रागिनी दूसरे स्थान पर रहीं जबकि सत्यम ने 82 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

प्रवेश के लिए ये कर सकते हैं आवेदन

सरकार विद्यालय में निरंतर सुविधाओं का विस्तार करते हुए पंजी.त निर्माण श्रमिकों एवं मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के पात्र बच्चों को गुणवत्तापूर्ण निशुल्क शिक्षा प्रदान करने के मकसद से अटल आवासीय विधायक का संचालन कर रही है। मीरजापुर, भदोही व सोनभद्र के उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अंतर्गत पंजी.त निर्माण श्रमिकों के बच्चे एवं कोविड – 19 के दौरान कोरोना से निराश्रित हुए बच्चे तथा मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अंतर्गत पात्र बच्चे प्रवेश के लिए आवेदन करते हैं।

मारपीट व हत्या की घटना के नवें दिन अहिरौला गांव पहुंचे एसपी विकास कुमार

दैनिक बुद्ध का संदेश

उतरौला/बलरामपुर। कोतवाली क्षेत्र के अहिरौला में हुए विवाद में ग्रामीण धनराज मौर्य की हत्या के बाद गुरुवार को एसपी विकास कुमार ने पहुंचकर मृतक के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। एसपी ने परिजनों को बताया कि घटना के बाद पुलिस ने लगातार अनेक कार्रवाई की है। सभी नामजद आरोपियों को गिरतार कर जेल भेजा जा चुका है। गांव में लगातार चौकसी बरती जा रही है। एक आरोपी के कब्जे से अतिक्रमण की गई जमीन पर बुलडोजर चलाकर कार्रवाई की गई है। सभी आरोपियों के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई करने का काम प्रगति पर है। प्रशासन द्वारा परिजनों की मांग पर कोई कार्यवाही न होने के प्रश्न पर एसपी ने कहा कि जिन मांगों का ज्ञापन परिवार के लोगों ने दिया था उस पर विचार चल रहा है। जल्द ही जिलाधिकारी द्वारा उस पर निर्णय लिया जाएगा। ग्रामीणों को सतर्क रहने तथा विशेष परिस्थितियों में पुलिस की मदद लेने की सलाह देते हुए एसपी ने कहा कि गांव में कोई भी अवांछनीय या संदिग्ध गतिविधि होने पर मौके पर तैनात पुलिस बल को तत्काल सूचना दें ताकि समय पर उचित कदम उठाए जा सकें। एसपी ने गांव में तैनात पुलिस बल को ब्रीफिंग कर निर्देश दिया कि वे लगातार आरोपी के घर तथा घटनास्थल का सम्यक निरीक्षण करते रहें। कोई भी बाहरी तत्व असमय आकर गांव की सौहार्द को खराब न करने पाए। उन्होंने आरोपी के कब्जे से मुक्त कराई गई जमीन का निरीक्षण कर आदेश दिया कि फिलहाल अस्थायी रूप से गांव की सुरक्षा में तैनात पुलिस बल के लिए यहां आश्रय स्थल बनाया जाए ताकि बारिश व धूप मे आरक्षी व उपनिरीक्षक सुरक्षित रह सकें। इस दौरान एसडीएम मनोज कुमार, सीओ राघवेंद्र सिंह, गैंड्रास बुजुर्ग थानाध्यक्ष राजीव मिश्र समेत राजस्व कर्मी व पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

महिला स्वयं सहायता समूहों को बाजार से जोड़ने की तैयारी, डीएम ने दिए निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से सीधा संवाद स्थापित कर उनके द्वारा तैयार किए जा रहे विभिन्न उत्पादों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की। इस दौरान महिलाओं ने सोया मिल्क, पनीर, बकरी के दूध से निर्मित साबुन सहित अन्य उत्पादों के निर्माण एवं विपणन की जानकारी दी। जिलाधिकारी ने कहा कि समूह की महिलाओं द्वारा तैयार किए जा रहे उत्पादों की समयबद्ध एवं बेहतर विपणन व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि उन्हें उनके उत्पादों का उचित मूल्य प्राप्त हो सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि उत्पाद निर्माण में प्रयुक्त होने वाली आवश्यक सामग्री की उपलब्धता भी समय से सुनिश्चित की जाए, जिससे उत्पादन कार्य प्रभावित न हो। उन्होंने डीसी एनआरएलएम को निर्देश दिए कि समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों के विपणन, ब्रांडिंग एवं बाजार विस्तार के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार की जाए। साथ ही जनपद की अधिक से अधिक महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़कर स्वरोजगार एवं आर्थिक गतिविधियों में सहभागिता बढ़ाने के प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि समूह आधारित आजीविका गतिविधियों से महिलाओं की आय में वृद्धि होगी तथा उनके जीवन स्तर में सकारात्मक सुधार आएगा। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, डी0सी0 एनआरएलएम सरिता सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्काउट प्रशिक्षण के चौथे दिन आत्मरक्षा एवं आपदा प्रबंधन के गुर सिखाए गए

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। जगतजीत इंटर कॉलेज, इकौना में आयोजित स्काउट–गाइड प्रशिक्षण शिविर के चौथे दिन प्रतिभागियों को आत्मरक्षा, आपदा प्रबंधन तथा जीवनोपयोगी कौशलों का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. ज्योति प्रकाश पांडे, प्रधानाचार्य, अलक्षेद इंटर कॉलेज भिनगा एवं जिला मुख्य आयुक्त, श्रावस्ती ने कहा कि स्काउट–गाइड का शस्त्र प्रशिक्षण हथियार चलाने के लिए नहीं, बल्कि आत्मरक्षा, सुरक्षा एवं आपातकालीन परिस्थितियों में सहायता प्रदान करने की क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से दिया जाता है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान लाठी संचालन, प्राथमिक चिकित्सा तथा प्रा.तिक आपदाओं के समय बचाव एवं राहत कार्यों की जानकारी दी जाती है। उन्होंने कहा कि स्काउटिंग में लगभग 5 फीट लंबी लकड़ी की लाठी का उपयोग किया जाता है, जिसके माध्यम से वार, बचाव एवं आत्मरक्षा के विभिन्न पैंतरे सिखाए जाते हैं। साथ ही रस्सियों के माध्यम से विभिन्न प्रकार की गांठें बांधने का अभ्यास कराया जाता है, जिससे आपातकालीन परिस्थितियों में अस्थायी पुल, मचान अथवा स्ट्रेचर तैयार किए जा सकें। डॉ. पांडे ने बताया कि स्काउट–गाइड के प्रमाण पत्र का विभिन्न क्षेत्रों में विशेष महत्व है तथा इससे विद्यार्थियों को अनेक अवसरों पर अतिरिक्त वेटेज प्राप्त होता है। विद्यालय के प्रधानाचार्य राम बिहारी वाजपेयी ने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान जंगल अथवा अपरिचित स्थानों पर टेंट लगाने, बिना गैस के भोजन तैयार करने तथा दिशा सूचक यंत्र एवं तारों की सहायता से दिशा ज्ञान प्राप्त करने का अभ्यास भी कराया जाता है। इसके अतिरिक्त अनुशासन, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं यातायात नियंत्रण संबंधी प्रशिक्षण भी विद्यार्थियों को दिया जाता है। इस अवसर पर प्रशिक्षण प्रभारी कामाछा प्रसाद पाठक, हनुमान प्रसाद सहित स्काउट–गाइड के प्रशिक्षक एवं प्रतिभागी उपस्थित रहे।

तराई में कश्मीरी सेब की सफल खेती, किसान ताज मोहम्मद बने मिसाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले से एक प्रेरणादायक और हैरान कर देने वाली कहानी सामने आई है। आमतौर पर सेब की खेती को जम्मू–कश्मीर और हिमाचल प्रदेश की वादियों तक सीमित माना जाता है, लेकिन जरवल कस्बे के हरचंदा गांव निवासी किसान ताज मोहम्मद ने इस धारणा को बदलकर रख दिया है। ताज मोहम्मद ने अपनी दो बीघा जमीन पर कड़ी मेहनत, लगन और आधुनिक खेती तकनीकों के दम पर सेब की सफल खेती कर एक नई मिसाल कायम की है। विपरीत मौसम और तमाम चुनौतियों के बावजूद उन्होंने ऐसा सेब का बाग तैयार किया है, जो आज फलों से लदा हुआ है और देखने वालों को आकर्षित कर रहा है। पारंपरिक खेती से हटकर कुछ नया करने की सोच रखने वाले ताज मोहम्मद ने कश्मीरी और हिमाचली स्वाद को बहराइच की धरती पर उतार दिया है। उनकी इस उपलब्धि ने क्षेत्र के किसानों के बीच नई उम्मीद जगाई है। अब कई किसान भी परंपरागत फसलों के साथ–साथ बागवानी और वैकल्पिक खेती की ओर रुचि दिखा रहे हैं। ताज मोहम्मद का कहना है कि यदि किसान नई तकनीकों को अपनाएं और धैर्य के साथ मेहनत करें तो खेती में बेहतर आय के नए रास्ते खोले जा सकते हैं। उनकी सफलता यह साबित करती है कि मजबूत इरादों के सामने मौसम और परिस्थितियां भी बाधा नहीं बन सकतीं। आज ताज मोहम्मद सिर्फ बहराइच ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश के किसानों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन चुके हैं। उनकी मेहनत और सफलता यह संदेश देती है कि खेती में नवाचार अपनाकर असंभव लगने वाले सपनों को भी साकार किया जा सकता है।

अमृत सरोवरों पर विश्व पर्यावरण दिवस और योग दिवस को लेकर व्यापक जनभागीदारी के निर्देश, ग्राम्य विकास विभाग को तैयारी तेज करने के आदेश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रदेश के सभी अमृत सरोवर स्थलों पर 05 जून को विश्व पर्यावरण दिवस और 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर व्यापक जनभागीदारी के साथ विविध कार्यक्रमों का आयोजन सुनिश्चित किया जाए।उन्होंने कहा कि अमृत सरोवर केवल जल संरक्षण के केंद्र नहीं हैं, बल्कि इन्हें पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सहभागिता और जनजागरूकता के प्रभावी मंच के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। उप मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि इन स्थलों पर होने वाले कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीण समाज को पर्यावरण और जल संरक्षण के प्रति अधिक जागरूक किया जाए।निर्देशों के क्रम में ग्राम्य विकास विभाग द्वारा सभी जनपदों को विस्तृत दिशा–निर्देश जारी कर दिए गए हैं। इनमें विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अमृत सरोवरों के आसपास वृक्षारोपण अभियान, स्वच्छता अभियान, जल संरक्षण और जैव विविधता संरक्षण से जुड़े जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने पर विशेष जोर दिया गया है।इसके साथ ही 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर अमृत सरोवर स्थलों पर योग सत्रों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें स्थानीय ग्रामीणों, स्कूली छात्र–छात्राओं, स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं, आजीविका मिशन से जुड़ी महिलाओं, पंचायत प्रतिनिधियों और अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इन आयोजनों में अमृत सरोवर उपयोगकर्ता समूहों, युवा संगठनों, शिक्षण संस्थानों, जनप्रतिनिधियों, पद्म पुरस्कार प्राप्त व्यक्तियों तथा स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों को भी जोड़ा जाए, ताकि कार्यक्रमों में व्यापक सामाजिक सहभागिता सुनिश्चित हो सके।न्होंने कहा कि ग्राम पंचायत स्तर पर संवाद कार्यक्रम आयोजित कर ग्रामीणों को जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूक किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि अमृत सरोवर अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जल और पर्यावरण संरक्षण के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि इन कार्यक्रमों से प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण और स्वस्थ जीवनशैली को जनआंदोलन का स्वरूप मिलेगा तथा ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक सहभागिता को नई ऊर्जा प्राप्त होगी।इस संबंध में आयुक्त ग्राम्य विकास विभाग जी एस प्रियदर्शी ने सभी जनपदों को निर्देश दिए हैं कि कार्यक्रमों की फोटोग्राफ और गतिविधियों का विवरण मिशन अमृत सरोवर पोर्टल पर अपलोड किया जाए तथा कार्यक्रम समाप्त होने के दो दिन के भीतर राज्य मुख्यालय को विस्तृत रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाए।

पुलिस भर्ती परीक्षा की तैयारियों का डीएम–एसपी ने लिया जायजा, परीक्षा केंद्र का किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड, लखनऊ द्वारा आयोजित आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती की लिखित परीक्षा 08 से 10 जून 2026 तक दो पालियों में संपन्न कराई जाएगी। परीक्षा को सकुशल और पारदर्शी ढंग से आयोजित कराने के लिए जनपद में 11 शिक्षण संस्थानों को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। भर्ती परीक्षा को शासन की मंशानुसार स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव, नोडल अधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी अमित कुमार तथा अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष विक्रम सिंह के साथ परीक्षा केंद्र राजकीय पॉलिटेक्निक, आसाम चौराहा भिनगा रोड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने परीक्षा केंद्र पर सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरे, प्रवेश–निकास व्यवस्था, बैठने की व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने मौके पर मौजूद प्रधानाचार्य अरुण कुमार को परीक्षा के दौरान सभी व्यवस्थाएं मानकों के अनुरूप सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि भर्ती परीक्षा की शुचिता बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष वातावरण में सम्पन्न कराने के लिए सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

कम वर्षा और तापमान वृद्धि के पूर्वानुमान के मद्देनजर कृषि प्रबंधन की नई सलाह जारी, किसानों को श्री अन्न और वैकल्पिक फसलों की बुवाई पर जोर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डा. संजय सिंह की अध्यक्षता में क्रॉप वेदर वॉच ग्रुप की वर्ष 2026–27 की तृतीय (आरएनएस)बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में प्रदेश के वर्तमान मौसम और आगामी पूर्वानुमान की समीक्षा करते हुए किसानों के लिए अगले दो सप्ताह हेतु महत्वपूर्ण कृषि प्रबंधन संबंधी सुझाव जारी किए मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार केरल में मानसून प्रवेश कर चुका है, लेकिन उत्तर प्रदेश में 18 जून तक सामान्य से कम वर्षा होने की संभावना व्यक्त की गई है। विशेष रूप से उत्तर–पूर्वी मैदानी क्षेत्रों में तापमान सामान्य से 4 से 6 डिग्री सेल्सियस अधिक रहने का अनुमान है, जिससे लू चलने की संभावना भी बढ़ सकतीइन परिस्थितियों को देखते हुए किसानों को सलाह दी गई है कि वर्षा आधारित खेती करने वाले किसान धान के स्थान पर श्री अन्न, मक्का, उड़द, मूंग और तिल जैसी वैकल्पिक फसलों की बुवाई को प्राथमिकता दें। साथ ही फसलों में उचित नमी बनाए रखने तथा सिंचाई कार्य सावधानीपूर्वक करने की आवश्यकता बताई गई है। धान की नर्सरी में जलभराव न होने देने और सिंचाई शाम के समय करने की सलाह दी गई है। इसके अलावा खाली खेतों में मिट्टी पलट हल से गहरी जुताई करने को भी उपयोगी बताया गया है, जिससे खरपतवार और कीटों का नियंत्रण हो सके।बागवानी क्षेत्र में आम और लीची के बागों में नमी बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। आम को सुरक्षित तरीके से पकाने के लिए इथरेल के उपयोग की विधि भी साझा की गई है, जिससे फल 4 से 6 दिनों में पककर तैयार हो सकते हैं। आम में फलमक्खी से बचाव के लिए मिथाइल यूजिनाल युक्त ट्रैप लगाने तथा नीम आधारित घोल के छिड़काव की सलाह दी गई है।मत्स्य पालन के क्षेत्र में तालाबों में जल स्तर लगभग 1.50 मीटर बनाए रखने की अनुशंसा की गई है ताकि गर्मी के प्रभाव से मछलियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।पशुपालकों को राष्ट्रीय पशुरोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत एच.एस. टीकाकरण सुनिश्चित निःशुल्क उपलब्ध होने की जानकारी दी गई है। साथ ही ज्वार एवं सूडान घास के चारे में नमी बनाए रखने की सलाह दी गई है, क्योंकि नमी की कमी से चारे में हाइड्रोसायनिक अम्ल (साइनाइड) की मात्रा बढ़ सकती है, जो पशुओं के लिए घातक हो सकती है।आपात स्थिति में सहायता हेतु टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1962 एवं 18001805141 जारी किए गए हैं। इसके साथ ही प्रदेश में 35 करोड़ पौधरोपण लक्ष्य के तहत वन विभाग की पौधशालाओं से निःशुल्क पौधे उपलब्ध कराए जाने की व्यवस्था भी जारी है।

उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में मजबूत वृद्धि, मई 2026 में कर राजस्व 20,491 करोड़ रुपये तक पहुंचा, जीएसटी संग्रह में उल्लेखनीय बढ़ोतरी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था लगातार मजबूत दिशा में अग्रसर है। वित्तीय वर्ष 2026–27 के मई माह में प्रदेश सरकार को मुख्य कर एवं करेतर राजस्व मदों से कुल 20,491 करोड़ रुपये की प्राप्ति हुई है, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में प्राप्त 18,120 करोड़ रुपये की तुलना में 2,371 करोड़ रुपये अधिक है। यह वृद्धि प्रदेश की वित्तीय स्थिति में सुधार और राजस्व संग्रहण में बेहतर प्रदर्शन को दर्शाती है।यह जानकारी प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने दी। उन्होंने बताया कि राजस्व प्राप्तियों में सबसे बड़ा योगदान जीएसटी का रहा, जिसमें मई 2026 में 7,551 करोड़ रुपये का संग्रह हुआ, जबकि पिछले वर्ष इसी माह में यह 5,209 करोड़ रुपये था। इस प्रकार जीएसटी संग्रह में 2,342 करोड़ रुपये की महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की गई है।स्टाम्प एवं पंजीयन विभाग से 2,994 करोड़ रुपये, परिवहन विभाग से 1,228 करोड़ रुपये, वैट से 3,010 करोड़ रुपये तथा आबकारी विभाग से 5,388 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है। विभिन्न विभागों में यह प्रदर्शन राज्य की आर्थिक गतिविधियों में तेजी और प्रशासनिक दक्षता को दर्शाता है।वित्तीय वर्ष 2026–27 में मई माह तक कर राजस्व के अंतर्गत 55,641.02 करोड़ रुपये के लक्ष्य के सापेक्ष 41,621.54 करोड़ रुपये की प्राप्ति हुई है, जो कुल लक्ष्य का 74.8 प्रतिशत है। राज्य कर मद में 34,054.25 करोड़ रुपये के लक्ष्य के सापेक्ष 21,452.89 करोड़ रुपये की प्राप्ति दर्ज की गई है, जो 63 प्रतिशत उपलब्धि है। वहीं जीएसटी मद में 27,676.45 करोड़ रुपये के लक्ष्य के सापेक्ष 17,334.35 करोड़ रुपये का संग्रह हुआ है, जो 62.6 प्रतिशत लक्ष्य के बराबर है।प्रमुख विभागीय प्रदर्शन में आबकारी विभाग ने 95 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया है, जबकि परिवहन विभाग ने 100.6 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त कर उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है। ऊर्जा विभाग ने 136.7 प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। स्टाम्प एवं निबंधन विभाग ने 84.4 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया है।सरकार के अनुसार प्रदेश में राजस्व वृद्धि के साथ–साथ जनहित में कर दरों को संतुलित बनाए रखा गया है। वर्तमान में पेट्रोल पर 19.36 प्रतिशत या 14.85 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल पर 17.08 प्रतिशत या 10.41 रुपये प्रति लीटर कर लागू है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रकः– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

`कपड़े हो गए छोटे, तो शर्म कहां से आए ?' वाली कॉन्टेंट क्रिएटर ।दपजं ठपींदवप ने खाया जहर, अस्पताल में भर्ती

सोशल मीडिया पर होने वाली मानसिक प्रताड़ना और श्साइबर बुलिंगश का एक और खौफनाक चेहरा सामने आया है। राजस्थान की मशहूर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और कंटेंट क्रिएटर अनीता बिश्नोई ने बुधवार को कथित तौर पर कोई जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या करने की कोशिश की। हालत बिगड़ने पर उन्हें तुरंत जोधपुर के मथुरादास माथुर (एमडीएम) अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां फिलहाल उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। अनीता के परिजनों का आरोप है कि वह पिछले कई हफ्तों से सोशल मीडिया पर हो रही लगातार ट्रोलिंग, भद्दे कमेंट्स और व्यक्तिगत उत्पीड़न के कारण गंभीर मानसिक तनाव से गुजर रही थीं।

राजस्थान की संस्कृति और परंपराओं के साथ–साथ सामाजिक जागरूकता के मुद्दों पर वीडियो बनाने के लिए जानी जाने वाली 'कंटेंट क्रिएटर' अनीता बिश्नोई को बनार पुलिस थाना क्षेत्र स्थित उनके आवास पर उनकी तबीयत बिगड़ने के बाद मथुरादास माथुर (एमडीएम) अस्पताल में भर्ती कराया गया। परिवार के सदस्यों के अनुसार, बिश्नोई ने कथित तौर पर घर पर कोई जहरीला पदार्थ खा लिया था। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। यह घटना बिश्नोई द्वारा सोशल मीडिया पर एक भावुक संदेश साझा करने के कुछ घंटों बाद हुई, जिससे उनके सोशल मीडिया फॉलोअर और रिश्तेदारों में चिंता पैदा हो गई।

अपने पोस्ट में, बिश्नोई ने संकेत दिया कि शायद वह फिर कभी दिखाई न दें। बिश्नोई के फेसबुक पर करीब 13 लाख और इंस्टाग्राम पर 6.45 लाख से अधिक फॉलोअर हैं। उनके पति दिनाराम ने आरोप लगाया कि बिश्नोई को हफ्तों से सोशल मीडिया पर लगातार ट्रोलिंग और व्यक्तिगत हमलों का सामना करना पड़ रहा था। उनके पति के अनुसार, महिलाओं के पहनावे पर अपने विचार व्यक्त करते हुए एक वीडियो पोस्ट करने के बाद उनकी आलोचना और बढ़ गई। साथ ही कुछ सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं और साथी इन्फ्लुएंसर की ओर से तीखी प्रतिक्रियाएं आईं।

दिनाराम ने आरोप लगाया कि कुछ लोग जानबूझकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और मैसेजिंग ऐप के माध्यम से बिश्नोई को निशाना बना रहे थे, जिससे वह काफी तनाव में थीं। परिवार ने यह भी आरोप लगाया कि सोशल मीडिया पर अपमानजनक टिप्पणियों के माध्यम से उनकी प्रतिष्ठा को धूमिल करने के प्रयास किए जा रहे थे। अस्पताल में भर्ती बिश्नोई की हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। अभी तक मामला दर्ज नहीं किया गया है।

अलविदा पहलाज निहलानी! 76 वर्ष की उम्र में दिग्गज फिल्म निर्माता का निधन, गोविंदा को दिया था पहला ब्रेक

निहलानी हिंदी सिनेमा के कमर्शियल फिल्म जगत में एक जाना–माना नाम थे। चार दशकों से ज़्यादा लंबे अपने करियर में, वे कई मुख्यधारा की फिल्मों से जुड़े रहे, जिनमें हथकड़ी, इल्जाम, शोला और शबनम, श्आँखेंश, श्दिल तेरा दीवानाश, तलाश,

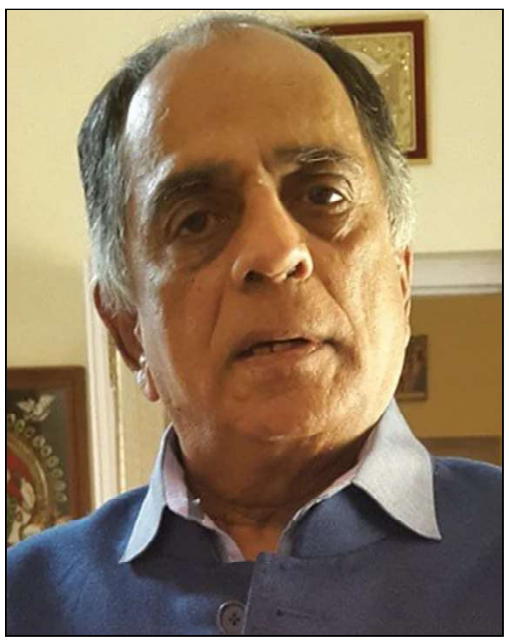

जूली 2 और श्रंगीला राजाश शामिल हैं।

भारतीय सिनेमा जगत से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। अनुभवी फिल्म निर्माता, डिस्ट्रीब्यूटर और सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन के पूर्व अध्यक्ष पहलाज निहलानी का गुरुवार को मुंबई में निधन हो गया। वह 76 वर्ष के थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, निहलानी पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे और मुंबई के नानावती अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर से बॉलीवुड और सिनेमा जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। निहलानी हिंदी सिनेमा के कमर्शियल फिल्म जगत में एक जाना–माना नाम थे। चार दशकों से ज़्यादा लंबे अपने करियर में, वे कई मुख्यधारा की फिल्मों से जुड़े रहे, जिनमें हथकड़ी, इल्जाम, शोला और शबनम, आँखें, दिल तेरा दीवाना, तलाश, जूली 2 और श्रंगीला राजाश शामिल हैं।

उनकी 1986 की फिल्म श्इल्जामश से गोविंदा ने डेब्यू किया था, जबकि आग ही आग से चंकी पांडे को पहचान मिली। निहलानी शत्रुघ्न सिन्हा, धर्मेंद्र, गोविंदा, चंकी पांडे और दिव्या भारती जैसे अभिनेताओं वाली फिल्मों से भी जुड़े रहे। जनवरी 2015 में, निहलानी को **CBFC** का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। वे अगस्त 2017 तक इस पद पर रहे, जिसके बाद प्रसून जोशी ने उनकी जगह ली।

सर्टिफिकेशन संस्था में उनका कार्यकाल काफी विवादों में रहा। उनके कार्यकाल के दौरान उड़ता पंजाब, लिपस्टिक अंडर माई बुर्का और इंदु सरकार जैसी कई फिल्मों को सर्टिफिकेशन में देरी, कट लगाने के सुझाव या सार्वजनिक बहस का सामना करना पड़ा।

निहलानी अक्सर सर्टिफिकेशन नियमों और कंटेंट, संस्कृति तथा सार्वजनिक प्रदर्शन से जुड़ी चिंताओं का हवाला देकर **CBFC** के फैसलों का बचाव करते थे। हालाँकि, उनके कार्यकाल को फिल्म निर्माताओं और इंडस्ट्री से जुड़े लोगों की कड़ी आलोचना का भी सामना करना पड़ा, जिनका तर्क था कि बोर्ड सर्टिफिकेशन से हटकर सेंसरशिप की ओर बढ़ रहा है।

CBFC में अपने कार्यकाल से पहले, निहलानी कई वर्षों तक श्एसोसिएशन ऑफ मोशन पिक्चर्स एंड टीवी प्रोग्राम प्रोड्यूसर्सश के अध्यक्ष भी रहे थे।**CBFC** छोड़ने के बाद भी, निहलानी फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े मुद्दों पर अपनी राय बेबाकी से रखते थे और अक्सर 1980 और 1990 के दशक के अभिनेताओं तथा फिल्म निर्माताओं के साथ अपने काम के बारे में बात करते थे।

नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई माँ बहन, माधुरी दीक्षित और तृप्ति डिमरी की जुगलबंदी ने मचाया धमाल

अगर आप इस वीकेंड के लिए किसी ऐसी मनोरंजक फिल्म की तलाश में हैं जो सस्पेंस, कॉमेडी और पारिवारिक ड्रामे से भरपूर हो, तो आपका इंतजार खत्म हो चुका है। ध्यान से देखिएश आज हुआ है एक भयंकर कांड का खुलासा!ष जैसे धमाकेदार डायलॉग के साथ चर्चा बटोरने वाली नेटफ्लिक्स की क्राइम–कॉमेडी फिल्म माँ बहन 4 जून को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम कर दी गई है।

गलतफहमियों, गहरे राजों, इमोशनल उतार–चढ़ावों और पूरे परिवार में मची जबरदस्त अफरा–तफरी से भरी यह फिल्म दर्शकों को अंत तक बांधे रखने का वादा करती है।

फिल्म माँ बहन नेटफ्लिक्स पर दोपहर 12:30 बजे रिलीज की जा चुकी है। 2 घंटे 7 मिनट की अवधि वाली यह फिल्म वीकेंड पर पूरे परिवार के साथ बैठकर देखने के लिए एक परफेक्ट एंटरटेनमेंट डोज है।

इस फिल्म में माधुरी दीक्षित, तृप्ति डिमरी और मशहूर कंटेंट क्रिएटर धारणा दुर्गा मुख्य भूमिकाओं में हैं। इनके अलावा फिल्म में रवि किशन, गीतांजलि कुलकर्णी, अरुणोदय सिंह और शार्दुल भारद्वाज जैसे दमदार कलाकार भी अहम किरदारों में नजर आ रहे हैं।

क्या है फिल्म की कहानी?

फिल्म के निर्देशक सुरेश त्रिवेणी (जो इससे पहले श्तुम्हारी सुलुश और श्जलसाश जैसी फिल्में बना चुके हैं) के अनुसार, टीम एक ऐसी कहानी बनाना चाहती थी जो जमीन से जुड़ी हो और जिसका मनोरंजन स्तर बेहद ऊंचा हो।

एक बिखरा हुआ परिवारः कहानी एक ऐसे मध्यवर्गीय परिवार के इर्द–गिर्द घूमती है जो थोड़ा अजीब और बिखरा हुआ है। इस परिवार की मुखिया मां रेखा (माधुरी दीक्षित) हैं और उनकी दो बेटियां जया (तृप्ति डिमरी) और सुषमा (धारणा दुर्गा) हैं, जो हमेशा बिल्ली–चूहे की तरह आपस में झगड़ती रहती हैं। एक बड़ा कांडश जिंदगी सामान्य चल रही होती है कि तभी परिवार में एक बड़ा ष्कांडष (क्राइमध्हादसा) हो जाता है। इस हादसे के बाद उनकी दुनिया में उथल–पुथल मच जाती है। बदनामी और कानून से बचने के लिए वे अजीबोगरीब और मजेदार हथकंडे अपनाते हैं, जिससे परिस्थितियां और भी ज्यादा उलझती चली जाती हैं।

मुख्य स्टारकास्ट ने अपने किरदारों पर क्या कहा?

पारंपरिक मां की छवि को तोड़ेगा रेखा का किरदार : माधुरी दीक्षित– फिल्म में मां रेखा का मुख्य किरदार निभा रहीं बॉलीवुड की धक–धक गर्ल माधुरी दीक्षित इस रोल को लेकर बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने कहा रेखा हिंदी सिनेमा की आम, त्यागी और रोने वाली मां जैसी बिल्कुल नहीं है, और यही बात मुझे इस किरदार में सबसे ज्यादा रोमांचक लगी। वह शायद एक परफेक्ट मां न हो, लेकिन हर मां की तरह वह अपनी बेटियों का भला चाहती है और इस सारी अफरा–तफरी के बीच अपने परिवार को टूटने से बचाती है। नेटफ्लिक्स और एबंडशिया एंटरटेनमेंट जैसे पार्टनर्स के साथ काम करना बेहतरीन रहा।

जिम्मेदार बेटी के रोल में हूँ: तृप्ति डिमरी– फिल्म में बड़ी बेटी श्जयाश का किरदार निभा रहीं तृप्ति डिमरी ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि जया घर की सुशील और जिम्मेदार बेटी है, जो हर चीज को कंट्रोल करना चाहती है लेकिन खुद ही उस दलदल में धंसती जाती है। माधुरी दीक्षित के साथ काम करने पर उन्होंने कहा, ष्महान माधुरी दीक्षित के साथ स्क्रीन शेयर करना, जिन्होंने पूरी एक पीढ़ी को सिनेमा से प्यार करना सिखाया, सचमुच एक जादुई और अविश्वसनीय अनुभव है।

सुषमा के रोल से तुरंत जुड़ाव महसूस हुआः धारणा दुर्गा– इस फिल्म से अपना शानदार डिजिटल/स्ट्रीमिंग डेब्यू कर रहीं धारणा दुर्गा ने छोटी बेटी श्सुषमाश का किरदार निभाया है। धारणा ने बताया, ष्स्क्रिप्ट पढ़ते ही मुझे सुषमा से प्यार हो गया था। फिल्म में तीनों महिलाओं (रेखा, जया और सुषमा) के बीच का जो अपनापन और पागलपन है, वह दर्शकों को बेहद वास्तविक और इंसानी लगेगा।ष

माधुरी जी के साथ काम करने का सपना पूरा हुआः रवि किशन– हाल ही में मामला लीगल है सीजन 2 की सफलता का स्वाद चख चुके अभिनेता रवि किशन भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए कहा, ष्इस फिल्म के सेट पर एक अद्भुत ऊर्जा थी। सबसे बड़ी बात यह रही कि श्मां बहनश की बदौलत मुझे आखिरकार अपने करियर में पहली बार माधुरी जी के साथ स्क्रीन साझा करने का मौका मिला।ष

क्यों देखें यह फिल्म?: माँ बहन सिर्फ एक क्राइम–थ्रिलर नहीं है, बल्कि यह महिलाओं के नेतृत्व वाली एक ऐसी डार्क–कॉमेडी है जिसमें रिश्तों की उलझन को बेहद हल्के–फुल्के और मजेदार अंदाज में पेश किया गया है। अगर आप माधुरी दीक्षित का एक बिल्कुल नया अवतार, तृप्ति डिमरी की संजीदगी और धारणा दुर्गा का देसी अंदाज देखना चाहते हैं, तो नेटफ्लिक्स पर माँ बहन को अपनी वॉचलिस्ट में जरूर शामिल करें।

मौत का खतरा कई गुना ज्यादा बढ़ा देती है आपकी एक आदत, शराब से भी ज्यादा खतरनाक

आजकल खराब लाइफस्टाल की वजह से कई तरह की बीमारियां फैल रही है. सबसे ज्यादा खतरा दिल की सेहत को होता है. कई आदतें ओवरऑल हेल्थ के लिए हानिकारक होती हैं. ऐसी ही एक आदत है देर तक बैठना. वैज्ञानिकों ने बताया है कि शराब की तरह ही लंबे समय तक बैठना भी सेहत के लिए खतरनाक है. एक अध्ययन में पाया गया कि ड्राइवर और कंडक्टर या गार्ड की सेहत की तुलना की गई. जिसमें पाया गया कि दोनों का खानपान और लाइफस्टाइल काफी हद तक एक जैसी थी, लेकिन ज्यादा देर तक बैठेने से हार्ट डिजीज का खतरा, खड़े रहने की तुलना में दोगुना पाया गया है. जानिए लंबे समय तक बैठने के साइड इफेक्ट्स...

बहुत देर तक बैठना क्यों खतरनाक

शोधकर्ताओं ने बताया कि ऑफिस में ज्यादा देर तक बैठने, घर में ज्यादातर देर तक बेड पर आराम करने या ड्राइविंग से सेहत को बहुत ज्यादा नुकसान पहुंचता है. फिजिकल एक्टिविटीज जितनी ज्यादा कम होती है, सेहत के लिए उतनी ही दिक्कतें बढ़ती हैं. ये उम्र को कम करने के साथ ही डिमेंशिया जैसी दिमागी बीमारी और डायबिटीज का खतरा बढ़ता है. इतना ही नहीं हार्ट की समस्याएं भी बढ़ाती हैं.

ज्यादा देर तक बैठने के नुकसान

1. जल्दी मौत का खतराः हेल्थ एक्सपर्ट्स ने बताया कि लंबे समय तक बैठे रहने से कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं. जिसकी वजह से समय से पहले मौत का खतरा ज्यादा रहता है. अगर बहुत देर तक बैठते हैं और एक्सरसाइज भी करते हैं तो भी इसके खतरे को कम नहीं किया जा सकता है. इस आदत से हार्ट की समस्या, डायबिटीज जैसी खतरनाक बीमारियां बढ़ती हैं, जो उम्र को कम करती है.

2. डिमेंशिया का रिस्क

शोधकर्ताओं ने बताया कि ऐसे लोग जो बहुत देर तक बैठे रहते हैं, उनमें दिमागी समस्याएं यहां तक की डिमेंशिया का खतरा काफी ज्यादा रहता है. ज्यादा देर तक बैठने से हार्ट डिजीज, डायबिटीज, स्ट्रोक, हाई ब्लड प्रेशर और हाई कोलेस्ट्रॉल का खतरा रहता है, जो डिमेंशिया का प्रमुख कारण है. इसलिए हेल्थ एक्सपर्ट्स थोड़ी–थोड़ी देर में उठकर घूमने की सलाह देते हैं.

3. मोटापा और हार्ट का जोखिमः अगर ज्यादातर समय बैठकर टीवी देखने, काम करने या ऑफिस में बैठने में बिताते हैं तो बहुत ज्यादा मोटापा और वजन बढ़ सकता है. इससे डायबिटीज से लेकर हार्ट डिजीज का जोखिम बढ़ता है. ज्यादा देर तक बैठे रहने से न सिर्फ कम कैलोरी बर्न होती है, बल्कि शरीर के इंसुलिन के प्रति प्रतिक्रिया करने का तरीका भी बदल जाता है, जो हार्ट अटैक और स्ट्रोक का कारण माना जाता है.